लखनऊ
हिंदी दैनिक
आर्यावर्त क्रांति
गुरुवार, 3 अप्रैल , 2025
वर्ष : 10 । अंक: 258
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8
UPHIN/2014/57034

विचार अपने इतने मधुर रखो की सामने वाला आपसे आपके विचार जानने के लिए तत्पर रहे ।

TODAY WEATHER

DAY 33° Hi
NIGHT 16° Low

लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पेश, किरेन रिजिजू ने कहा, 'संसद की बिल्डिंग को भी किया गया था क्लेम

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया। विधेयक पर चर्चा की शुरुआत करते हुए किरेन रिजिजू ने कहा, ऑनलाइन, ज्ञापन, अनुरोध और सुझाव के रूप में कुल 97,27,772 याचिकाएं प्राप्त हुई हैं। 284 डेलिगेशन ने कमेटी के सामने अपनी बात रखी और सुझाव दिए। सरकार ने उन सभी पर ध्यानपूर्वक विचार किया है, चाहे वे जेपीसी (संयुक्त संसदीय समिति) के माध्यम से हों या सीधे दिए गए ज्ञापन। इतिहास में पहले कभी किसी विधेयक को इतनी बड़ी संख्या में याचिकाएं नहीं मिली हैं।

कई लीगल एक्सपर्ट, कम्युनिटी लीडर्स, धार्मिक लीडर्स और अन्य लोगों ने कमेटी के सामने अपने सुझाव रखे। पिछली बार जब हमने बिल पेश किया था, तब भी कई बातें बताई थी। मुझे उम्मीद ही नहीं, यकीन है कि जो इसका विरोध कर रहे थे, उनके हृदय में बदलाव होगा और वे बिल का समर्थन करेंगे। मैं मन की बात कहना चाहता हूं, किसी की बात को कोई बदगुमां न समझे कि जमीं का दर्द कभी आसमां न समझे।

किरेन रिजिजू ने आगे कहा, साल 2013 में यूपीए सरकार ने वक्फ बोर्ड को ऐसा अधिकार दिया कि वक्फ बोर्ड के आदेश को किसी सिविल अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती। अगर यूपीए सरकार सत्ता में होती तो संसद इमारत, एयरपोर्ट समेत पता नहीं कितनी इमारतों को वक्फ संपत्ति घोषित कर दिया जाता। साल 2013 में मुझे इस बात पर बहुत आश्चर्य हुआ कि इसे कैसे जबरन पारित किया गया। 2013 में वक्फ अधिनियम में प्रावधान जोड़े जाने के बाद, दिल्ली में 1977 से एक मामला चल रहा था, जिसमें सीजीओ कॉम्प्लेक्स और संसद भवन सहित कई संपत्तियां शामिल थीं। दिल्ली वक्फ बोर्ड ने इन पर वक्फ संपत्ति होने का दावा किया था। मामला अदालत में था, लेकिन उस समय यूपीए सरकार ने सारी जमीन को डीनोटिफाई करके वक्फ बोर्ड को सौंप दिया। अगर हमने आज यह संशोधन पेश नहीं किया होता, तो हम जिस संसद भवन में बैठे हैं, उस पर भी वक्फ संपत्ति होने का दावा किया जा सकता था।

उन्होंने कहा, किसी ने कहा कि ये प्रावधान गैर संवैधानिक हैं। किसी ने कहा कि गैर-कानूनी हैं। यह नया विषय नहीं है। आजादी से पहले पहली बार बिल पास किया गया था। इससे पहले वक्फ को इनवैलिडेट (अवैध करार) किया गया था। 1923 में मुसलमान वक्फ एक्ट लाया गया था। ट्रांसपेरेंसी और अकाउंटेबिलिटी का आधार देते हुए एक्ट पारित किया गया था। उन्होंने कहा, 1995 में पहली बार वक्फ ट्रिब्यूनल का प्रावधान किया गया था। इससे वक्फ बोर्ड द्वारा लिए गए किसी भी फैसले से असंतुष्ट व्यक्ति वक्फ ट्रिब्यूनल में उसे चुनौती दे सकता था। यह पहली बार था जब ऐसी व्यवस्था स्थापित की गई थी। उस समय यह भी तय किया गया था कि अगर किसी वक्फ संपत्ति से 5 लाख रुपए से ज्यादा की आय होती है, तो सरकार उसकी निगरानी के लिए एक कार्यकारी अधिकारी नियुक्त करेगी। यह व्यवस्था भी 1995 में ही शुरू की गई थी। आज यह मुद्दा इतना तूल क्यों पकड़ रहा है? विधेयक को सदन में पेश करते ही विपक्षी दलों ने विरोध शुरू कर दिया। कांग्रेस ने विधेयक के खिलाफ अपनी आपत्ति जताते हुए आरोप लगाया कि उन्हें विधेयक की प्रति देर से प्राप्त हुई, जिसके कारण उन्हें समीक्षा के लिए पर्याप्त समय नहीं मिला। कांग्रेस के नेताओं ने चर्चा के दौरान कहा कि सरकार ने इस महत्वपूर्ण विधेयक को जल्दबाजी में पेश किया है और विपक्ष को इस पर चर्चा के लिए उचित अवसर नहीं दिया गया।

विपक्षी सांसदों ने जबरदस्त किया हंगामा

बिल पेश होने के दौरान कांग्रेस ने आपत्ति जताई। एक तरफ जहां कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि सरकार कानून को जबरन थोप रही है। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा कि यह आपका आग्रह था कि एक संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) बनाई जानी चाहिए। हमारे पास कांग्रेस जैसी समिति नहीं है। हमारे पास एक लोकतांत्रिक समिति है, जो मंथन करती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के जमाने में समिति होती थी, जो ठप्पा लगाती थी। हमारी समिति चर्चा करती है, चर्चा के आधार पर विचार-विमर्श करती है और परिवर्तन करती है। दरअसल, कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने वक्फ संशोधन बिल पेश किए जाने के दौरान विरोध जताते हुए कहा कि इस तरह का बिल (वक्फ संशोधन विधेयक) जिसे आप सदन में ला रहे हैं, कम से कम सदस्यों को संशोधन करने का अधिकार तो होना चाहिए। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आप कानून को जबरन थोप रहे हैं।

गौरव गोगोई ने कहा, इस बिल के जरिए सरकार के 4 मूल उद्देश्य हैं-

संविधान को कमजोर करना
भ्रम फैलाना
भारतीय सोसायटी को बांटना
मॉयनॉरिटी को अलग-थलग करना
JPC को लेकर उठाए सवाल
गौरव गोगोई ने कहा, संशोधन तो चाहिए लेकिन ऐसा हो जिससे बिल ताकतवर हो, लेकिन उन्होंने ऐसे संशोधन लाए हैं। जिससे और भी मसले होंगे। वक्फ बिल पर चर्चा के दौरान गोगोई ने जेपीसी की प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि विपक्ष की तरफ से सुझाए गए एक भी संशोधन को स्वीकार नहीं किया गया।

नए कानून के तहत वक्फ बोर्ड में किसी गैर-मुस्लिम की नियुक्ति नहीं की जाएगी। अमित शाह ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि आप लोग अपने मिथकों से देश को तोड़ देंगे। यह विधेयक वक्फ बोर्ड में चल रहे भ्रष्टाचार को रोकने के लिए है। अगर 2013 में संशोधन लाया गया होता, तो मैं कह सकता हूं कि आपको विधेयक लाने की जरूरत नहीं पड़ती। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड धार्मिक संस्था नहीं बल्कि प्रशासनिक संस्था है। 2014 के नतीजों से डरकर उन्होंने ये संशोधन नहीं लाए, बल्कि इसे अतिवादी बना दिया।

गृह मंत्री, अमित शाह

संक्षेप

डोनाल्ड ट्रंप की 'टैरिफ घोषणा' का दुनिया को इंतजार, 'बड़ी बातें' जिन्हें जानना जरूरी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 2 अप्रैल को व्यापक टैरिफ लागू करने की तैयारी कर रहे हैं, जिसे व्हाइट हाउस ने 'मुक्ति दिवस' नाम दिया है। हालांकि अभी कई बात साफ नहीं है कि टैरिफ कैसा होगा और कब लागू होगा? मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप कह चुके हैं कि टैरिफ रेसिप्रोकल/पारस्परिक होंगे। इसका मतलब है कि देशों पर वही शुल्क लगाया जाएगा जो वे अमेरिका पर लगाते हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि टैरिफ का प्रभाव किस देश पर पड़ेगा, या क्या वे सभी के लिए समान होंगे? लेकिन, एक बात स्पष्ट है कि अमेरिका में प्रवेश करने वाली कारों पर 25त्न का नया आयात कर 3 अप्रैल से लागू हो जाएगा, और अगले कुछ महीनों में कार के पुर्जों पर भी यही टैक्स लगेगा। कुछ टैरिफ पहले ही लागू किए जा चुके हैं। मार्च में अमेरिका में प्रवेश करने वाले सभी स्टील और एल्युमीनियम पर फ्लैट ड्यूटी को बढ़ाकर 25 फीसदी कर दिया गया। ट्रंप ने पहले ही चीन से आयातित सभी वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ाकर 20त्न कर दिया। कनाडा और मैक्सिको से आने वाली कुछ वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ा दिया।. कनाडा ने टैरिफ पर जवाबी कार्रवाई करते हुए अमेरिकी स्टील और एल्युमीनियम पर 25त्न शुल्क लगाया, जबकि चीन ने भी कुछ अमेरिकी कृषि उत्पादों पर 10-15त्न टैक्स लगाया।

म्यांमार में फिर आया 4.3 तीव्रता का भूकंप, जानें तीव्रता और असर

म्यांमार। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, म्यांमार में 7.7 तीव्रता के विनाशकारी भूकंप के बाद के झटके आना जारी है, बुधवार को 4.3 तीव्रता का सबसे ताज़ा भूकंप आया। भूकंप का केंद्र अक्षांश: 20.70 उत्तर, देशांतर: 96.06 पूर्व और 10 किलोमीटर की गहराई पर स्थित है। म्यांमार में भूकंप के बाद राहत एवं बचाव कार्य में जुटे बचाव दल ने बुधवार सुबह राजधानी नेपीता के उस होटल के मलबे से 26 वर्षीय एक व्यक्ति को जीवित बाहर निकाला, जहां वह काम करता था। हालांकि, देश में आए भीषण भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़ने की ही आशंका है क्योंकि भूकंप के पांच दिन बाद भी अधिकतर बचाव दल को केवल शव ही मिल रहे हैं। मलबे में नाइंग लिन टुन के स्थान को सटीक रूप से निर्धारित करने और उसके जीवित होने की पुष्टि करने के लिए एक 'एंडिस्कोपिक कैमरे' का उपयोग किया गया था। व्यक्ति को सावधानीपूर्वक फर्श में छेद करके बाहर निकाला गया। व्यक्ति भूकंप के बाद लगभग 108 घंटे उस होटल में फंसा रहा जहां वह काम करता था। स्थानीय अग्निशमन विभाग द्वारा जारी किए गए वीडियो में नैंग लिन टुन कमजोर लेकिन होश में नजर आ रहा था। म्यांमार में सेना से लड़ रहे 'थ्री ब्रदरहुड अलायंस' से जुड़े एक विपक्षी मिलीशिया ने दावा किया कि सेना ने देर रात चीनी रेड क्रॉस के नौ वाहनों के एक राहत काफिले पर गोलीबारी की। काफिले में मांडले शहर के लिए राहत सामग्री ले जायी जा रही थी, जहां गत शुक्रवार दोपहर 7.7 तीव्रता का भूकंप आया था और हजारों इमारतें ध्वस्त हो गई थीं, पुल ढह गए थे और सड़कें उखड़ गई थीं। सरकारी टेलीविजन एमआरटीवी के अनुसार, अब तक म्यांमार में 2,886 लोगों की मौत हो चुकी है और 4,639 अन्य घायल हुए हैं।

'खाता न बही जो वक्फ कहे वही सही', लोकसभा में बोले अनुराग ठाकुर, देश का दूसरा विभाजन नहीं होने देंगे

नई दिल्ली। लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक पर बोलते हुए भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने विपक्षी दलों पर इस विधेयक का विरोध करने के लिए निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विभाजन धार्मिक आधार पर हुआ था, इसलिए हम देश का दूसरा विभाजन नहीं होने दे सकते। ठाकुर ने कहा कि भारत ने 1947 में विभाजन देखा है। वह विभाजन एक परिवार और एक पार्टी की वजह से हुआ था। आज हम भूमि जिहाद के नाम पर दूसरा विभाजन नहीं होने देंगे। हम ऐसा नहीं होने देंगे। भारत को वक्फ बोर्ड के डर से मुक्ति चाहिए। अनुराग ठाकुर ने कहा कि नया कानून कांग्रेस की तुष्टिकरण की राजनीति के ताबूत में आखिरी कील साबित होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस वक्फ विधेयक का विरोध कर रही है क्योंकि उन्होंने वक्फ की जमीन का बड़ा हिस्सा हड़प लिया है और उन्हें डर है कि उनका पर्दाफाश हो जाएगा। उन्होंने कहा कि वक्फ भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया था। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि वक्फ संशोधन बिल अन्याय की जड़ पर प्रहार है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस जाति, धर्म, क्षेत्र के नाम पर बांटती है।

भाजपा सांसद ने कहा कि ये बिल नहीं बल्कि उम्मीद (एकीकृत वक्फ प्रबंधन सशक्तिकरण, दक्षता और विकास) है। इस उम्मीद में सशक्तिकरण है, दक्षता है और विकास है। इसे देखते हुए देश के लोग इसका समर्थन कर रहे हैं। कैथोलिक बिशप कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडिया, चर्च ऑफ भारत, केरल काउंसिल ऑफ चर्चेज और केरल कैथोलिक बिशप काउंसिल, ऑल इंडिया सूफी सज्जादानशीन काउंसिल और मुस्लिम राष्ट्रीय मंच जैसे कई संगठनों ने इसका समर्थन किया है। मैं इसके लिए उनका धन्यवाद करता हूँ।

जब लोकसभा में अखिलेश यादव ने बीजेपी पर किया हमला, तो बोले अमित शाह- आप तो 25 साल अध्यक्ष रहेंगे

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (SP) के प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने लोकसभा में वक्फ विधेयक 2024 पर चर्चा में शामिल होते हुए मोदी सरकार को जमकर हमला किया। अपने संबोधन के दौरान अखिलेश ने कहा कि खुद को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी कहने वाली पार्टी अभी तक अपना नया राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं चुन सकी है। इस पर पलटवार करते हुए अमित शाह ने कहा कि हमें अपने 12 से 13 करोड़ सदस्यों में से प्रक्रिया के बाद अध्यक्ष को चुनना है। इसलिए इसमें समय लगता है।

अखिलेश यादव ने वक्फ संशोधन विधेयक, 2024 पर भारतीय जनता पार्टी को घेरते हुए कहा, "बीजेपी के अंदर मुकाबला चल रहा है कि पार्टी के अंदर खराब हिंदू कौन बड़ा है। ये बात मैं ऐसे ही नहीं कह रहा हूं जो पार्टी यह कहती हो कि वह दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है। खुद को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी कहने वाली पार्टी अभी तक अपना राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं चुन सकी है।"

अखिलेश के आरोप पर शाह ने हंसकर दिया जवाब

इस पर जवाब देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, "अखिलेश ने बहुत हंसते-हंसते यह बात कही है, तो मैं भी हंसते-हंसते जवाब दूंगा। मेरे सामने जितनी भी पार्टियां हैं, उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव कुछ परिवार के लोग ही करेंगे। वह 4-5 लोगों में से। जबकि हमें 12-13 करोड़ सदस्यों में से प्रक्रिया के बाद चुनना है। इसलिए इसमें समय लगता है।" उन्होंने आगे कहा, "आपके मामले में भी इसमें ज्यादा समय नहीं लगेगा। मैं कह रहा हूं कि आप अगले 25 सालों तक अध्यक्ष बने रहेंगे।"

अखिलेश ने अपने संबोधन के दौरान केंद्र सरकार पर हमला करते हुए कहा कि ये नाकामियों का विधेयक है। इसी सरकार ने देश में नोटबंदी का भी फैसला लिया था। लेकिन आज भी कितनी जगहों से बड़े-बड़े नोट निकल रहे हैं। इनकी नाकामी किसानों और महंगाई को लेकर भी है। क्या गंगा साफ हो गई। स्मार्ट सिटी बन गई क्या। अपनी सरकार की नाकामी का पर्दा वक्फ विधेयक बना है। जिसके लिए बात होनी थी उसे अहमियत भी नहीं दी गई।

हाईकोर्ट का अहम फैसला : दबाव व धोखे से धर्म परिवर्तन गंभीर अपराध, समझौते से केस रद्द नहीं

आर्यावर्त क्रांति

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में स्पष्ट किया है कि मतांतरण केवल हृदय परिवर्तन और ईमानदारी से विश्वास के आधार पर ही वैध माना जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि धोखे या दबाव में कराया गया मतांतरण न सिर्फ अवैध है, बल्कि यह एक गंभीर आपराधिक कृत्य भी है। ऐसे मामलों में पक्षों के बीच समझौता होने पर भी केस को खत्म नहीं किया जा सकता।

यह फैसला न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान की एकल पीठ ने रामपुर निवासी तौफीक अहमद की याचिका खारिज करते हुए सुनाया। याची पर हिंदू लड़की को धोखे से प्रेमजाल में फंसाकर मतांतरण और दुष्कर्म का आरोप है। पीड़िता ने बताया कि आरोपी ने हिंदू नाम रखकर सोशल मीडिया के जरिए दोस्ती की, फिर शादी का झांसा देकर छह माह तक बंधक बनाए रखा।

पीड़िता को जब सच्चाई का पता चला कि आरोपी मुस्लिम है, तब उसने किसी तरह भागकर पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराई। बाद में अपने बयान में भी उसने आरोपों की पुष्टि की। पुलिस द्वारा चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है।

कोर्ट ने कहा कि इस्लाम में धर्म परिवर्तन तब तक वास्तविक नहीं माना जा सकता, जब तक वह वयस्क, स्वस्थ मस्तिष्क और स्वेच्छा से पैगम्बर मोहम्मद में विश्वास कर हृदय से न हुआ हो। कोर्ट ने इस प्रकार के अपराध को समाज और महिला की गरिमा के खिलाफ बताते हुए, समझौते के आधार पर आईपीसी की धारा 376 (दुष्कर्म) समेत अन्य आरोपों को रद्द करने से इनकार कर दिया।

एलओसी पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम, भारतीय सेना ने दिया मुंहतोड़ जवाब

पाकिस्तान के 10 जवान घायल

पुंछ। जम्मू के पुंछ में एलओसी पर सेना ने मंगलवार को घुसपैठ की बड़ी कोशिश को नाकाम कर दिया। एलओसी पर भारत-पाकिस्तान सैनिकों के बीच भारी गोलीबारी भी हुई। इस गोलीबारी में पाकिस्तानी सेना के करीब 8 से 10 जवानों के घायल होने की भी सूचना है। एलओसी पर माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है।

जानकारी के अनुसार, दोपहर करीब 12 बजे कृष्णा घाटी सेक्टर में भारतीय सेना की अग्रिम पोस्ट के नजदीक जंगली क्षेत्र में अचानक संदिग्ध परिस्थितियों में एक के बाद एक तीन बारूदी सुरंगों में विस्फोट हुए। इसके साथ ही पाकिस्तान की तरफ से गोलीबारी भी शुरू कर दी गई। जानकारी के मुताबिक एलओसी के उस पार से आतंकियों का एक दल भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ का प्रयास कर रहा था, उसी समय भारतीय सेना की ओर से घुसपैठ को रोकने के लिए बिछाई गई बारूदी सुरंगों में विस्फोट होने के कारण आतंकियों का मंसूबा नाकाम हो गया।

आतंकियों को भारतीय सेना से बचाने के लिए पाकिस्तानी सेना ने गोलीबारी कर उन्हें कवर फायर भी दिया। नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की आशंका को देखते हुए भारतीय सेना ने भी जवाबी गोलीबारी की। दोनों तरफ से गोलीबारी जारी रही। गोलीबारी के बाद घटना स्थल पर जंगली क्षेत्र में आग भी लग गई है। गोलीबोरी में सीमा पार काफी नुकसान व पाकिस्तान के दस सैनिकों के घायल होने की भी सूचना है। भारतीय सेना को कोई नुकसान नहीं हुआ है। हालांकि नियंत्रण रेखा पर हुई गोलीबारी को लेकर सेना का कोई अधिकारी बयान जारी नहीं हुआ है।

हाईवे और एक्सप्रेस-वे पर सफर करना हुआ महंगा, एनएचएआई ने 5 प्रतिशत तक बढ़ाए टोल टैक्स

नई दिल्ली, एजेंसी। नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने पूरे देश में संचालित किए जाने वाले हाइवे और एक्सप्रेसवे के टोल चार्जेस में औसत 4 से 5 प्रतिशत का इजाफा कर दिया है। इसकी वजह महंगाई के कारण बढ़ती लागत को समायोजित करना था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह समायोजन एनएचएआई की वार्षिक समीक्षा का हिस्सा है, जो थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति के साथ टोल दरों को संरेखित करता है और अतिरिक्त आय से हाइवे रखरखाव और विस्तार परियोजनाओं को सहायता मिलेगी।

एनएचएआई के नोटिफिकेशन के अनुसार, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर सराय काले खां से मेरठ जाने वाली कारों और जीपों के लिए एक तरफ का टोल अब 165 रुपये से बढ़कर 170 रुपये हो जाएगा, जबकि गाजियाबाद से मेरठ जाने के लिए टोल 70 रुपये से बढ़कर 75 रुपये हो जाएगा।

इस मार्ग पर हल्के वाणिज्यिक वाहनों और बसों को प्रति ट्रिप 275 रुपये देने होंगे, जबकि ट्रकों को 580 रुपये देने होंगे। एनएच-9 पर छिजारसी टोल प्लाजा पर कारों के लिए टोल 170 रुपये से बढ़कर 175 रुपये हो जाएगा, हल्के वाणिज्यिक वाहनों को 280 रुपये जबकि बसों और ट्रकों को 590 रुपये देने होंगे।

लखनऊ से होकर गुजरने वाले हाइवे पर यात्रा करने वाले मोटर चालकों को, जिनमें राज्य की राजधानी को कानपुर, अयोध्या, रायबरेली और बाराबंकी से जोड़ने वाले हाइवे भी शामिल हैं, हल्के वाहनों के लिए प्रति चक्कर 5 से 10 रुपये अतिरिक्त देने होंगे, जबकि भारी वाहनों को 20 से 25 रुपये अतिरिक्त देने होंगे।

इसके अतिरिक्त, अब कारों के लिए मासिक पास की कीमत 930 रुपये से बढ़कर 950 रुपये हो जाएगी, जबकि कैब के लिए यह राशि 1225 रुपये से बढ़कर 1255 रुपये हो जाएगी। हल्के मोटर वाहनों और मिनी बसों के लिए एक तरफ का टोल 120 रुपये से बढ़कर 125 रुपये हो जाएगा।

दिल्ली-जयपुर हाईवे पर खेड़की दौला टोल प्लाजा पर निजी कारों और जीपों के लिए टोल वही रहेगा, लेकिन बड़े वाहनों पर प्रति ट्रिप 5 रुपये की बढ़ोतरी होगी। कारों के लिए मासिक पास की कीमत अब 930 रुपये से बढ़कर 950 रुपये हो जाएगी और वाणिज्यिक कारों और जीपों के लिए यह राशि 1225 रुपये से बढ़कर 1255 रुपये हो जाएगी। हल्के मोटर वाहनों और मिनी बसों के लिए सिंगल-ट्रिप टोल 120 रुपये से बढ़कर 125 रुपये हो जाएगा। भारत के नेशनल हाइवे नेटवर्क पर लगभग 855 प्लाजा हैं, जिनमें से 675 सरकार के द्वारा फंडिंड हैं, जबकि लगभग 180 प्लाजा निजी ऑपरेटरों द्वारा मैनेज किए जाते हैं।

'अपराधियों को भी कानून के तहत मिले सुरक्षा'

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश के डीजीपी को 'सुप्रीम' निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि भले ही कोई व्यक्ति अपराधी हो, लेकिन उसे कानून के तहत कुछ सुरक्षा और सम्मान मिलना चाहिए। कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस महानिदेशकों (डीजीपी) को निर्देश दिया है कि वे हिरासत में लिए गए व्यक्तियों के कानूनी अधिकारों का कड़ाई से पालन करें। मामले की सुनवाई के दौरान, न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने पुलिस को राज्य की एक महत्वपूर्ण इकाई बताते हुए कहा कि समाज और व्यक्तियों की सुरक्षा के लिए पुलिस में जनता का भरोसा बना रहना जरूरी है।

हरियाणा पुलिस पर गंभीर टिप्पणी

सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा पुलिस की ओर से गिरफ्तारी से जुड़े एक चेकलिस्ट पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह सिर्फ औपचारिकता लगती है और इसे गंभीरता से नहीं भरा गया। यह मामला तब सामने आया जब एक व्यक्ति ने आरोप लगाया कि हरियाणा पुलिस ने उसे गैरकानूनी तरीके से हिरासत में लिया और थाने में शारीरिक प्रताड़ना दी। याचिकाकर्ता के वकील ने अदालत को बताया कि पीड़ित के भाई ने उसी दिन सुबह 11:24 बजे पुलिस अधीक्षक को ईमेल भेजकर गिरफ्तारी की शिकायत की थी, जिसके बाद दोपहर 1:30 बजे एफआईआर दर्ज की गई। शीर्ष न्यायालय ने पुलिस की इस हरकत को बेवजह शक्ति प्रदर्शन बताते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति के साथ कानून के तहत उचित व्यवहार किया जाना चाहिए।

अभिभावक-शिक्षक बैठकें, बच्चों के शैक्षणिक और व्यक्तिगत विकास के लिए ज़रूरी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। मॉडल इंग्लिश मीडियम प्राथमिक विद्यालय वैदहा में शारदा संगोष्ठी, (अभिभावक-अध्यापक) बैठक एवं वार्षिकोत्सव एवं स्कूल चलो रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष मोहम्मद जहीर और कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित खण्ड शिक्षा अधिकारी जयसिंहपुर शिवशंकर मिश्रा ने किया। इस अवसर पर खण्ड शिक्षा अधिकारी ने बताया कि अभिभावक-शिक्षक बैठकें (पीटीएम) बच्चों के शैक्षणिक और व्यक्तिगत विकास के लिए बहुत ज़रूरी हैं, ऐसी बैठके माता-पिता और शिक्षकों के बीच खुले संचार का मंच बनती हैं, जिससे बच्चों के विकास में

मदद मिलती है, वही स्कूल चलो अभियान पर जोर देते हुए, उन्होंने कहा कि शत-प्रतिशत बच्चे आधार बनवाया लें जिससे बच्चों की सरकारी सुविधाएं प्राप्त हो सके। 6-14 वर्ष के सभी बच्चो का नामांकन अनिवार्य है। उन्होंने विद्यालय की सराहना की, विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रधान प्रतिनिधि श्याम लाल ने बताया कि बच्चों को स्कूल प्रतिदिन भेजना चाहिए। इसी क्रम में विद्यालय में आए अतिथियों को प्रधानाध्यापिका कांति सिंह ने आभार व्यक्त किया और बच्चों को संचारी रोग के बारे में जागरूक किया । इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को खंड शिक्षा अधिकारी ने पुरस्कृत किया। सभी बच्चों का परीक्षा फल वितरण किया गया कार्यक्रम का संचालन रवि प्रकाश ने किया। इस मौके पर उपस्थित गौरव त्रिपाठी, रितेश त्रिपाठी, जयकुमार, मोइनुद्दीन सिद्दीकी राकेश विकास केश कुमार सिंह रीना सिंह मालती इंद्रावती आदि सैकड़ो अभिभावक मौजूद रहे ।

पूर्ण भक्ति के साथ सैन्य अधिकारियों व जवानों ने निकाली निशान यात्रा

प्रयागराज। बुधवार की सुबह सेना अफसर एवं जवान आधुनिक सैन्य वाहनों की जगह हाथी, घोड़ा और बग्घी में बैठे नजर आए। अवसर था सेना की ओर से निकाली गई निशान यात्रा का। ओडी फोर्ट से संगम तक निकली इस यात्रा के दौरान क्या जवान क्या आम इंसान, सभी मां गंगा की भक्ति में लीन दिखे। इस दौरान गंगा मां के खूब जयकारे भी लगे। दरअसल सेना द्वारा बीते कई दशक से हर वर्ष गंगा पूजन के लिए ओडी फोर्ड से निशानछ जुलूस निकाला जाता है। बसंत पंचमी के बाद ही यह जुलूस निकाला जाता है, लेकिन महाकुंभ में उमड़ रही भीड़ की वजह से यह कार्यक्रम अब नवरात्र में हुआ। बुधवार को निकले इस जुलूस की अगुवाई ओडी फोर्ट के कर्नल वीएसएम मनी सिंह ने। शंखनाद के साथ यात्रा की शुरूआत हुई। कर्नल मनी सिंह हाथी पर सवार होकर निशान जुलूस में सबसे आगे रहे।

शराब की नई दुकान खोलने का विरोध, सौंपा ज्ञापन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। शहर के गल्ला मंडी क्षेत्र में आबादी, मंदिरों और विद्यालय के नजदीक खुली शराब की नई दुकान को लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश व्याप्त है। मोहल्लेवासियों ने जिलाधिकारी कार्यालय पर पहुंचकर सिटी मजिस्ट्रेट विदुषी सिंह को जिलाधिकारी के नाम संबोधित एक प्रार्थना पत्र सौंपकर तत्काल इस दुकान को अन्यत्र स्थानांतरित कराने की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कोतवाली नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत गल्ला मंडी में एक नई शराब दुकान खोली जा रही है। यह दुकान रिहायशी इलाके के बीच स्थित है, जहां आसपास कई मकान हैं। महज 25 फीट की दूरी पर मंदिर, 50 फीट की दूरी पर एक इंटर कॉलेज और अन्य धार्मिक स्थल स्थित हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस दुकान के खुलने से क्षेत्र के बच्चों और युवाओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, जिससे सामाजिक और शैक्षिक माहौल प्रभावित होगा। क्षेत्रवासियों ने बताया कि गल्ला मंडी क्षेत्र में कई परिवार रहते हैं, जिनके छोटे बच्चे और स्कूल जाने वाले विद्यार्थी इस रास्ते से गुजरते हैं। शराब की दुकान खुलने से माहौल दूषित होगा और असामाजिक तत्वों की आवाजाही बढ़ सकती है, जिससे महिलाओं और छात्र-छात्राओं को असुविधा होगी। इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए मोहल्लेवासियों ने सिटी मजिस्ट्रेट से मुलाकात की और जिलाधिकारी के नाम संबोधित एक प्रार्थना पत्र सौंपा। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि सार्वजनिक हित को ध्यान में रखते हुए इस दुकान को किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित किया जाए, ताकि बच्चों और स्थानीय लोगों को किसी भी तरह की असुविधा न हो।

'शादी कर बड़ी गलती की ...' : लखीमपुर खीरी में पत्नी से परेशान पति ने दी जान, सुसाइड नोट में बयां किया दर्द

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी के सदर कोतवाली के मोहल्ला निवासी युवक ने फंदा लगाकर जान दे दी। उसका शव कमरे में लटका मिला। उसकी जेब से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें उसने अपनी कहानी बयां की है। परिवारवालों ने मृतक की पत्नी व ससुरालीजनों पर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मोहल्ला गंगोत्रीनगर निवासी अमन रस्तोगी (28) पुत्र प्रमोद रस्तोगी ने पत्नी और ससुरालवालों से विवाद के बाद सोमवार रात घर में फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी परिजनों को मंगलवार सुबह उठने पर हुई। अमन का शव लटकता देख परिजनों में चीख पुकार मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतक अमन के कपड़ों की तलाशी ली तो जेब से सुसाइड नोट मिला।

पोस्टमॉर्टम हाउस पर मौजूद मृतक के भाई चमन ने बताया कि अमन रस्तोगी की शादी करीब छह साल पहले कानपुर के शुक्लागंज निवासी कोमल के साथ हुई थी। करीब डेढ़ महीने पहले अमन प्रयागराज गया था। वहां पर किसी बात को लेकर अमन और कोमल के बीच विवाद हुआ था। विवाद के बाद से ही अमन की पत्नी कोमल घर नहीं आ रही थी।

चमन ने बताया कि कई बार के बुलाने पर भी कोमल घर नहीं आई। इतना ही नहीं परिवार के लोगों के साथ कोमल अपशब्दों का प्रयोग करते हुए उन्हें परेशान करती थी। लगातार प्रताड़ना मिलने के चलते भाई ने आत्महत्या का कदम उठाया। पुलिस सुसाइड नोट को आधार बनाकर जांच में जुट गई है।

सुसाइड नोट में क्या लिखा

सुसाइड नोट में अमन ने लिखा कि मैं सुसाइड करने जा रहा हूं, अपनी मर्जी से। कोई भी मेरे परिवार को परेशान न करे। परिवार पहले से ही बहुत परेशान है। जब से शादी हुई है, मेरी पत्नी यहां एक महीने ही रुकी है। मेरे परिवार वाले मुझे बहुत मानते हैं, पर मैं मजबूर हूं। अपनी जिंदगी से बहुत परेशान हूं। मुझे माफ कर देना। मैं अपने जीवन में कुछ नहीं कर पाया इसका बात का मुझे बहुत अफसोस है। सुसाइड नोट में अमन ने चमन के लिए लिखा कि... मेरे न रहने पर माता-पिता का वैसे ही ख्याल रखना जैसे पहले रखते थे। मेरी शादी कोमल से हुए छह साल से ज्यादा हो गए हैं। मैंने शादी करके बहुत गलती की है।

इंस्पेक्टर सदर के हेमंत राय ने बताया कि मौके से मृतक की जेब से सुसाइड नोट मिला है। सुसाइड नोट में किसी को परेशान न करने की बात कही है। फिलहाल परिजनों की ओर से कोई तहरीर नहीं मिली है।

योगी सरकार ने दी सौगात, 17.63 करोड़ से बनेगा सर्किट हाउस

सुलतानपुर। योगी सरकार ने जिले को एक सर्किट हाउस की सौगात दी है। सर्किट हाउस निर्माण के लिए 17 करोड़ 63 लाख रुपए शासन ने स्वीकृत किए हैं।भाजपा नेता व प्रदेश सह संयोजक सहकारिता प्रकोष्ठ रामचन्द्र मिश्रा ने बताया कि प्रदेश स्तरीय वालीबाल प्रतियोगिता के समापन समारोह में 25दिसम्बर 2018 को शामिल होने आए डिप्टी सीएम केशव मौर्या को पंत स्पोर्ट्स स्टेडियम के जीर्णोद्धार और जिले के ट्रांसपोर्ट नगर में सर्किट हाउस निर्माण के लिए तत्कालीन विधायक सीताराम वर्मा, राजेश गौतम, देवमणि द्विवेदी व स्वं सूर्यभान सिंह के संयुक्त हस्ताक्षर से प्रस्ताव दिया था। डिप्टी सीएम केशव मौर्या ने दोनों कार्य कराने की सहमति दी थी। रामचन्द्र मिश्रा ने बताया कि 8 करोड़ की लागत से पंत स्पोर्ट्स स्टेडियम का जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण होने जा रहा है।यह भी बताया कि दूसरे गेस्ट हाउस के निर्माण के प्रस्ताव की भी शासन ने प्रशासकीय व वित्तीय स्वीकृति दें दी है।

पूर्वांचल यूनिवर्सिटी में एमएससी छात्रा ने किया सुसाइड, आखिरी बार फोन पर हुई थी मंगेतर से बात

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में पूर्वांचल यूनिवर्सिटी की एमएससी बायोटेक की छात्रा ने बीती रात सुसाइड कर लिया। मंगेतर से बात करने के बाद छात्रा ने ये कदम उठाया। हालांकि, जिला अस्पताल ले जाने पर डॉक्टर की टीम ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है और उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

मामला सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल यूनिवर्सिटी का है। जलालपुर थाना क्षेत्र के कोतवालपुर गांव की रहने वाली शिवांगी मिश्रा बायोटेक डिपार्टमेंट में एमएससी सेकंड ईयर की छात्रा थी। वह लक्ष्मीबाई गर्ल्स हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रही थी। देर रात उसने संदिग्ध परिस्थितियों

में दुपट्टे को पंखे से बांधकर उसी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

मंगेतर से बात के बाद लगाई फांसी

मृतक छात्रा की सितंबर में शादी होनी थी। उसकी शादी आकाश नाम के लड़के के साथ तय हुई थी। घटना से पहले उसने आकाश से बात किया था। हॉस्टल में रह रही छात्राओं के अनुसार वह कमरा बंद करने के बाद ऊंची आवाज में किसी से बात कर रही थी। कुछ देर बाद अचानक सब शांत हो गया।

जब छात्राओं ने शिवांगी को बुलाया तो उसने दरवाजा नहीं खोला। काफी देर बीतने के बाद जब उसने फोन भी रिसीव नहीं किया तो इसकी सूचना वार्डेन को दी गई। सूचना मिलते ही वार्डेन वहां पहुंचा और दरवाजा खोलने के लिए आवाज दी। दरवाजा फिर भी नहीं खुला।

इसके बाद दरवाजा तोड़कर अंदर देखा गया तो छात्रा का शव दुपट्टे के सहारे पंखे से लटका था। आनन-फानन में फंदे से उतारकर छात्रा को जिला अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टर ने छात्रा को मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही जौनपुर के एसपी कौस्तुभ ने जिला अस्पताल पहुंचकर घटना की जानकारी ली। एसपी ने बताया कि बायोटेक विभाग में एमएससी द्वितीय वर्ष की छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना से पहले उसने अपने मंगेतर से फोन पर बात की थी। हालांकि परिजनों की तहरीर के आधार पर सभी बिंदुओं पर छानबीन करते हुए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मॉर्निंग वॉक से लौट रहे थे कारोबारी, मधुक्खियों ने दौड़ाया... पूरे शरीर पर काटा, हो गई मौत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कानपुर। कानपुर के छावनी थाना क्षेत्र में मंगलवार की सुबह तार कारोबारी रवि शंकर अग्रवाल पर मधुमक्खियों के झुंड ने हमला कर दिया। इस हमले में वो बुरी तरह घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने उनके स्थिति की सूचना परिवार को दी और उन्हें 7-एयरफोर्स अस्पताल में भर्ती करवाया। स्थिति गंभीर हुई तो उन्हें एक प्राइवेट अस्पताल में ले जाया गया। हालांकि, वहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मंगलवार की सुबह लोहा-तार कारोबारी शंकर अग्रवाल अपने दोस्तों के साथ सुबह टहलने के लिए निकले थे। वो मॉर्निंग वॉक से लौट रहे थे तभी मधुमक्खियां उनके पीछे पड़ गईं। उन्होंने भागकर जान बचाने की कोशिश की लेकिन मधुमक्खियों ने उन्हें बुरी तरह काट लिया। इससे वो घायल हो गए। उन्हें अस्पताल ले

जाया गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटना के बाद सूचना पर परिवार में कोहराम मच गया। अमेरिका में रहने वाली मृतक की बेटी को घटना की सूचना दी गई अब उसके पहुंचने के बाद पिता का कल अंतिम संस्कार होगा।

दोस्त ने बताई पूरी कहानी

कानपुर के कैंट के रहने वाले व्यापारी सुधीर अग्रवाल ने बताया कि उनके बड़े भाई 70 वर्षीय सिटी के बड़े तार कारोबारी रवि शंकर अग्रवाल कई वर्षों से अपने दोस्त और सर्राफा के बड़े कारोबारी गोपाल अग्रवाल, प्रदीप सेठ और दीपक के साथ रोज सुबह करीब 6 बजे गाड़ी से निकलकर कानपुर क्लब जाया करते थे। इसके बाद वो वहां गाड़ी खड़ी कर कानपुर क्लब रोड पर वॉक करते थे।

उन्होंने बताया कि बीते मंगलवार को भी तीनों के साथ वहां पहुंचे थे, तभी वहां पेड़ पर लगे मधुमक्खियों के छत्ते से निकली मधुमक्खियों के झुंड ने उन्हें दौड़ा दिया। पूरे बदन पर जमकर काटा। इसके बाद वह अधिक दूर तक हमले के कारण दौड़ नहीं पाए और जमीन पर गिरकर बदहवास हो गए। इसकी जानकारी घर वालों को करीब सवा 7 बजे उनके दोस्त प्रदीप सेठ ने फोन पर दी। इसके बाद आनन-फानन में वहां परिवार के लोग पहुंचे और उन्हें लेकर पास के सेवन एयरफोर्स अस्पताल में लेकर गए।

उनकी बिगड़ती स्थिति को देखते हुए परिजन निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। भाई सुधीर अग्रवाल ने बताया कि परिवार में उनकी धर्मपत्नी उमा और दो बेटियां सुरभि, श्रुति हैं। अब सुरभि अमेरिका में रह रहीं हैं। सुरभि के घर आने के बाद कल अंतिम संस्कार होगा।

साथ गए दोस्तों ने बताया कि उन्होंने अपने मित्र को बचाने के लिए काफी प्रयास किया लेकिन मधुमक्खियों के झुंड ने हाथों में भी काट लिया था। वो चाहकर भी अपने दोस्त को नहीं बचा पाए। तार कारोबार में उद्योगपति रवि शंकर अग्रवाल का बड़ा नाम था। मामले में थाना छावनी के थाना प्रभारी अरविंद राय ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

बहुचर्चित माहेश्वरी आत्महत्या कांड प्रकरण में एसपी से मिला व्यापारी प्रतिनिधिमंडल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। बहुचर्चित नरेश चंद्र माहेश्वरी आत्महत्या कांड में अभी तक कोई कार्रवाई या गिरफ्तारी न होने से परिजनों में रोष है। नामजद अभियुक्तों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत होने के बाद भी अभी तक किसी की गिरफ्तारी न होने से निराश परिजनों ने दो अप्रैल को काउंसिल ऑफ उद्योग व्यापार मंच के पदाधिकारियों व सदस्यों के साथ पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर अभियुक्तों की गिरफ्तारी की मांग की। काउंसिल आफ उद्योग व्यापार मंच के जिलाध्यक्ष कुलदीप गुप्ता तथा स्व.नरेश माहेश्वरी के अनुज व मंच के जिला महामंत्री राजेश माहेश्वरी ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि पुलिस कप्तान से मुलाकात सकारात्मक रही और कप्तान ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही मामले में विधिक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी और अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उन्हें जेल रवाना किया जाएगा, प्रतिनिधि मण्डल में मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष कुलदीप गुप्ता, जिला महामंत्री राजेश माहेश्वरी, सभासद दिनेश चौरसिया, गौ रक्षा वाहिनी के प्रदेश प्रभारी सर्वेश सिंह, राजेंद्र जायसवाल, अश्विनी वर्मा, सुधीर गुप्ता, मनोज जैन, अरविन्द द्विवेदी, माणिक लाल, राजीव सोनी, संतोष जायसवाल आदि शामिल रहे।

अज्ञात बदमाशो ने ईंट भट्ठे पर काम कर रहे मजदूर को गोली-मार कर किया लहुलुहान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कुड़वार/सुल्तानपुर। कुड़वार ब्लाक के पास भगवानपुर ग्राम सभा के उतमानपुर गांव के श्याम सुन्दर सिंह उर्फ लहूरी के भट्ठे पर काम कर रहे मजदूर को अज्ञात बदमाशों ने गोली मार दी।गंभीर हालत में मजदूर को इलाज के लिए स्थानीय सी एच सी ले जाया गया।जहा से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।सूचना पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल में जुटी है।

मंगलवार रात लगभग 9 बजे को स्थानीय थाना कुड़वार क्षेत्र के उतमानपुर गांव में स्थित जेपी ईंट भट्ठे पर काम कर रहे अमेठी जनपद के भटमऊ नोहरी का पुरवा जगदीशपुर गांव निवासी हरिराम उर्फ नान्हे (28)पुत्र राम कुमार उर्फ कुंवारे को बाइक से आए तीन अज्ञात बदमाशों ने गोली मार दी।पैर में गोली लगने से मजदूर घायल हो गया।गंभीर हालत में घायल युवक को इलाज के लिए स्थानीय सीएचसी ले जाया गया। जहा

से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।जहा उसका इलाज चल रहा है।सूचना पर प्रभारी निरीक्षक चंद्र भान वर्मा अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल में जुटे है।मौके पर मौजूद अन्य लेबरों के अनुसार हमलावर भट्ठा मालिक श्याम सुन्दर सिंह को गाली देते हुए आए थे।और मजदूर को गोली मारकर भाग गए।थाना प्रभारी चन्द्रभान वर्मा ने बताया कि अभी तहरीर नहीं मिली है। तहरीर के अनुसार जांच कर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्यवाही की जाएगी।

एक ऐसा गांव, जहां हर साल लगता है भूतों का मेला, यूपी ही नहीं इन 4 राज्यों से भी आते हैं लोग

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बलिया। उत्तर प्रदेश में एक ऐसा मंदिर है जहां नवरात्रि के नौ दिनों में भूतों का मेला लगता है। इस मेले में उत्तर प्रदेश ही नहीं, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ के लोग अपनी समस्याओं को लेकर आते हैं। ऐसी मान्यता है कि इस मंदिर का प्रसाद पाने भर से ही उनकी समस्याओं का समाधान हो जाता है। हम किसी अंधविश्वास का समर्थन तो नहीं करते, लेकिन यहां आने वाले भक्तों का मानना है कि यहां का प्रसाद कुष्ठ जैसे आसाध्य चर्म रोगों में भी रामबाण की तरह काम करता है।

हम बात कर रहे हैं उत्तर प्रदेश में बलिया जिले के मनियर कस्बा स्थित नवका बाबा मंदिर की। बुधवार की सुबह इस मंदिर में 300 से अधिक लोग पहुंचे थे। इनमें से 25 से अधिक लोग तो ऐसे थे जो मंदिर परिसर में भूत खेल रहे थे। पुजारी चंद्रमा उपाध्याय कहते हैं इस मंदिर का इतिहास किसी को नहीं पता। उन्हें बस इतनी जानकारी है कि उनके पुरखे भी यहां पुजारी रह चुके हैं। उन्होंने बताया कि इस मंदिर में हर साल दोनों नवरात्रि में भक्तों का जमावड़ा होता है।

यहां सबसे ज्यादा भक्त बिहार, बंगाल, झारखंड और छत्तीसगढ़ आदि राज्यों से आते हैं। यहां आने वाले ज्यादातर भक्त खासतौर पर प्रेत बाधा या चर्म रोग से पीड़ित होते हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में ऐसे लोग भी बाबा के दरबार में आते हैं, जिनका वंश नहीं चल रहा होता है। उन्होंने बताया कि इस तरह के समस्याओं के समाधान की परंपरा यहां कब से शुरू हुई, उन्हें नहीं पता।

जिला मुख्यालय से 40 किमी दूर है स्थान

लेकिन वह इतना जानते हैं कि लोग बड़े उम्मीद के साथ इस मंदिर में आते हैं और स्नान के बाद प्रसाद ग्रहण करते हैं। वहीं उनकी मनौती पूरी होने के बाद वह भक्त दोबारा बाबा के दरबार में हाजिरी लगाने आते हैं। जिला मुख्यालय से 40 किमी दूर स्थित मनियर कस्बे में इस स्थित इस मंदिर में नवरात्रि के सभी नौ दिनों में भूतों का मेला लगता है। दूर दूर से लोग आकर यहां भूत खेलते हैं। बिहार से चलकर यहां पहुंची चंपा देवी कहती हैं कि वह बीते 45 साल से बाबा के दरबार में आती हैं।

दूर दूर से आकर खेलते हैं लोग

चंपा देवी के मुताबिक उनके ऊपर देवी की कृपा है और हर नवरात्रि में उनके ऊपर आती हैं। नवरात्रि के दौरान वह यहां पर खेलती हैं और इस दौरान जिसके भी पीठ पर वह हाथ रख देती हैं, उसकी असाध्य बीमारियां भी दूर हो जाती हैं। लोग यहीं से ठीक होकर अपने घर लौटते हैं। इसी प्रकार गोरखपुर से आए रामस्वरूप कहते हैं कि वह बाबा के दरबार में 15-20 साल से आ रहे हैं। उनके ऊपर भी देवी की कृपा होती है और वह यहां आकर खेलते हैं।

राष्ट्रीय किसान मंच करेगा गांव-गांव पदयात्रा, किसानों के मुद्दों को उठाने का लिया संकल्प

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। देश में बेरोजगारी, महंगाई और बुनियादी मुद्दों पर चर्चा के बजाय धार्मिक भावनाओं को भड़काने और इतिहास को छेड़ने की प्रवृत्ति पर राष्ट्रीय किसान मंच ने कड़ा एतराज जताया है। मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष शेखर दीक्षित ने कहा कि आज कोई भी राजनीतिक दल इससे अछूता नहीं है, जबकि असली मुद्दे पीछे छूट गए हैं। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए सवाल किया कि क्या इससे देश और आने वाली पीढ़ियों का भला होगा?प्रेस क्लब में आयोजित कार्यक्रम में दीक्षित ने कहा कि हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं, लेकिन गांव और किसान आज भी अपनी बेबसी पर आंसू बहा रहे हैं। सरकारी आंकड़ों में ग्रामीण विकास और किसानों की खुशहाली के दावे किए जाते हैं, लेकिन हकीकत इससे अलग है। जब तक

गांवों का वास्तविक विकास नहीं होगा और किसान खुशहाल नहीं होंगे, तब तक देश का संपूर्ण विकास संभव नहीं है।उन्होंने घोषणा की कि राष्ट्रीय किसान मंच गांव-गांव पदयात्रा निकालेगा, ताकि किसानों की समस्याओं को प्रत्यक्ष रूप से समझा जा सके और उनके समाधान के लिए संघर्ष किया जा सके। यह यात्रा ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के बीच जागरूकता फैलाने और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए की जाएगी।इसके अलावा, राष्ट्रीय किसान मंच अब शहरी वार्डों में भी सदस्यता अभियान शुरू करेगा, जिससे किसानों के मुद्दों को शहरी क्षेत्रों में भी प्राथमिकता दी जा सके। इस अवसर पर आम आदमी पार्टी के कई पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय किसान मंच की सदस्यता ग्रहण की, जिनका राष्ट्रीय अध्यक्ष ने स्वागत किया।मंच के प्रदेश अध्यक्ष अरुण कुमार बाबा ने कहा कि संगठन के विचारों और उद्देश्यों को लेकर लोगों में तेजी से आकर्षण बढ़ रहा है, खासकर वे लोग जो किसानों के हितों को प्राथमिकता देते हैं। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष शहन शाह हुसैन, राजेश कुमार पाण्डेय, जिला सचिव अनुराग मेहरोत्रा, सुबोध अवस्थी, अभिषेक मिश्रा, निजामुद्दीन, सलमान, मनीष, मासूम अली, अमानत अली, विपिन साहू, किसन लाल, नीरज, मसूदुर रहमान, नजिश फातिमा और फरजाना सिद्दीकी समेत कई लोगों ने राष्ट्रीय किसान मंच की सदस्यता ग्रहण की।

नगर विकास मंत्री ने किया शिवरी प्लांट का निरीक्षण

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने बुधवार को लखनऊ के शिवरी प्लांट का निरीक्षण कर वहां लिगेसी वेस्ट प्रबंधन कार्यों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए स्वच्छता बनाए रखने के लिए मैन और मशीन के बेहतर समन्वय पर जोर दिया। उन्होंने पार्षदों से अपील की कि वे अपने-अपने वार्डों में मशीनों के समुचित उपयोग को सुनिश्चित करें।मंत्री ने बताया कि शिवरी प्लांट में पिछले दस वर्षों से लखनऊ नगर निगम का कूड़ा डंप किया जा रहा था, जिससे यहां 18-19 लाख मीट्रिक टन कचरा एकत्र हो गया था।

इस कचरे के कारण शिवरी गांव और आसपास के इलाकों में गंदगी, दुर्गंध और मच्छरों की समस्या गंभीर बनी हुई थी। डेढ़ वर्ष पहले इस कचरे के निस्तारण के लिए 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई और आधुनिक मशीनों का उपयोग शुरू किया गया। अब तक 53 प्रतिशत यानी लगभग 10 लाख मीट्रिक टन कचरा हटा दिया गया है। कचरा हटने के साथ खाली हुई जमीन पर पार्क और उद्यान विकसित किए जा रहे हैं, जिससे क्षेत्र में हरियाली बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि शिवरी प्लांट में बायो रेमेडिएशन और आरडीएफ तकनीक से कचरे का वैज्ञानिक ढंग से निस्तारण किया जा रहा है। इससे निकलने वाले ज्वलनशील पदार्थों को औद्योगिक इकाइयों को ईंधन के रूप में आपूर्ति की जा रही है, जिससे नगर निगम को आय प्राप्त हो रही है। इसके अतिरिक्त, कचरे से निकले अन्य अवशेषों का उपयोग राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में किया जा रहा है।मंत्री ने यह भी घोषणा की कि एनटीपीसी के सहयोग से शीघ्र ही 2000 टीपीडी क्षमता का वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट स्थापित किया जाएगा। साथ ही, सौर ऊर्जा संयंत्र लगाकर शिवरी प्लांट की बिजली खपत को कम किया जाएगा। अगले एक से दो वर्षों में संपूर्ण कचरे का निस्तारण कर लिया जाएगा और खाली हुई भूमि को समाज के हित में उपयोग किया जाएगा। इस क्षेत्र में पार्क, स्टेडियम, अस्पताल और स्कूल स्थापित करने की योजना है।उन्होंने कहा कि शिवरी प्लांट का कचरा प्रबंधन मॉडल न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि देशभर के लिए एक मिसाल बन रहा है। अन्य राज्यों और विदेशी विशेषज्ञ भी यहां आकर इस तकनीक को समझने में रुचि दिखा रहे हैं। इस अवसर पर लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल, विधान परिषद सदस्य रामचंद्र प्रधान एवं मुकेश शर्मा, पार्षदगण, ग्राम पंचायत शिवरी के ग्राम प्रधान, नगर आयुक्त, अपर नगर आयुक्त सहित नगर निगम लखनऊ के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

निहारिका सिंह ने समर्थकों संग कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की नीतियों और समावेशी विचारधारा में आस्था जताते हुए तथा जननायक राहुल गांधी के देश और संविधान की रक्षा के संघर्ष से प्रेरित होकर निहारिका फाउंडेशन की चेयरपर्सन और समाजसेविका निहारिका सिंह ने आज अपने समर्थकों के साथ प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व मंत्री अजय राय की उपस्थिति में निहारिका सिंह को विधिवत रूप से कांग्रेस में शामिल किया गया। महिला कांग्रेस की निवर्तमान प्रदेश सचिव अनामिका यादव ने उन्हें कांग्रेस तिरंगा पट्टिका पहनाई, जबकि अजय राय ने उन्हें सदस्यता कार्ड सौंपा। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के ज्वाइनिंग प्रभारी नितिन शर्मा और मीडिया विभाग के वाइस चेयरमैन

मनीष श्रीवास्तव हिंदवी भी मौजूद रहे।मनीष श्रीवास्तव हिंदवी ने बताया कि निहारिका सिंह महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए लगातार कार्य कर रही हैं। उनके फाउंडेशन के माध्यम से मानसिक रूप से विकलांग बच्चों के लिए भी कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। निहारिका सिंह के साथ कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करने वालों में दीपाली वास्वानी, डॉ. मीनू कृपाल, संध्या चंदेल, रीता चौधरी, संध्या गुप्ता, प्रीति बेरी, माल्या गुप्ता, अरुण श्रीवास्तव, रोहन लाल यादव और हनुमान यादव सहित कई लोग शामिल रहे।

राशन वितरण में योगी सरकार की पारदर्शी व्यवस्था से लाखों लाभान्वितों को मिल रहा सीधा लाभ

मार्च 2025 तक प्रदेश के 77.37 प्रतिशत लाभार्थियों का हो चुका है ई-केवाईसी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने पिछले आठ वर्षों में गरीबों और जरूरतमंदों तक राशन पहुंचाने की प्रक्रिया को न केवल प्रभावी बनाया है, बल्कि इसे डिजिटल तकनीकों के माध्यम से पारदर्शी और भ्रष्टाचार-मुक्त भी किया है। 'सेवा, सुरक्षा और सुशासन' के मूल मंत्र को साकार करते हुए योगी सरकार ने खाद्य एवं रसद विभाग के जरिए तकनीकी नवाचारों को अपनाया, जिसका सीधा लाभ प्रदेश के 1.15 करोड़ से अधिक राशन कार्डधारकों को मिल रहा है।

योगी सरकार ने राशन वितरण में पारदर्शिता लाने के लिए ई-केवाईसी और आधार सत्यापन प्रणाली को लागू किया है। इसके तहत राशन कार्डधारकों को अब देश के किसी भी

ई-पॉस मशीनों से भ्रष्टाचार पर लगा लगाम, जरूरतमंदों को मिली राहत

राशन वितरण में ई-पॉस मशीनों के उपयोग ने पारदर्शिता को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। इन मशीनों के जरिए खाद्यान्न का वितरण सीधे लाभार्थियों तक पहुंच रहा है, जिससे बिचौलियों और भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगा है। यह तकनीकी नवाचार न केवल समय पर राशन उपलब्धता सुनिश्चित कर रहा है, बल्कि गरीबों के लिए खाद्य सुरक्षा को भी मजबूत कर रहा है।

उचित दर दुकान पर ई-केवाईसी कराने की सुविधा प्राप्त हो रही है। खाद्य एवं रसद विभाग के आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2025 तक प्रदेश के 77.37 प्रतिशत लाभार्थियों (1,15,37,940 राशन कार्डधारक) ने अपनी ई-केवाईसी पूरी कर ली है। खास बात यह है कि 10.02 लाख लाभार्थियों ने अन्य राज्यों में भी अपनी ई-केवाईसी कराई, जो इस व्यवस्था की व्यापक पहुंच सुनिश्चित कर रहा है। यही नहीं इस डिजिटल पहल ने अपात्र कार्डधारकों की पहचान कर उन्हें सिस्टम से हटाने में मदद की, जिससे वास्तविक जरूरतमंदों तक खाद्यान्न पहुंच सुनिश्चित हुआ। योगी सरकार का लक्ष्य शत-प्रतिशत लाभार्थियों की ई-केवाईसी शीघ्र पूरी करना है, ताकि वितरण प्रणाली और अधिक मजबूत हो सके।

प्रदेश में हो रहा आधुनिक अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण

योगी सरकार ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली को और सशक्त बनाने के लिए उचित दर दुकानों को आधुनिक रूप देने की पहल की है। इसके तहत 'अन्नपूर्णा भवन' का निर्माण मनरेगा जैसी योजनाओं के माध्यम से किया जा रहा है। वर्तमान में 3,534 अन्नपूर्णा भवन बनकर तैयार हो चुके हैं, जबकि 2,000 अन्य निर्माणाधीन हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में इनकी संख्या बढ़ाने के लिए सरकार ने विभागीय बजट से 200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है, जिससे मनरेगा के अतिरिक्त संसाधनों का उपयोग सुनिश्चित होगा। यह कदम ग्रामीण क्षेत्रों में राशन वितरण को और सुगम बनाएगा।

अन्नपूर्णा भवनों में उपलब्ध होंगी कई अतिरिक्त सेवाएं

अन्नपूर्णा भवन न केवल खाद्यान्न आपूर्ति का केंद्र होगा, बल्कि यहां अन्य जनसुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी। भवन में स्टोर के लिए दो अलग-अलग कक्ष बनाए जा रहे हैं। एक कक्ष में सरकारी राशन का भंडारण होगा, जबकि दूसरे कक्ष में कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) संचालित किया जाएगा। इस केंद्र से जन्म, मृत्यु, आय और जाति प्रमाणपत्र जैसी सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके अलावा, भवनों में जनरल स्टोर और कम्युनिटी सर्विस सेंटर (सीएससी) का संचालन किया जाएगा। यहां बिजली बिल भुगतान, ब्रॉडबैंड सेवा, सस्ती जेनरिक दवाएं, और रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं की बिक्री की सुविधा होगी। यह व्यवस्था लोगों के जीवन को सरल बनाने के साथ-साथ सरकारी योजनाओं को भी प्रभावी ढंग से लागू करेगी।

आमजन को मिले सुगम यातायात की सुविधा, दूसरे दिन भी चला चाबुक

» **अभियान के दूसरे दिन बुधवार को प्रदेश में 1007 ई-रिक्शा सीज और 3093 का हुआ चालान**

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। नागरिकों को सुगम यातायात की सुविधा मिले और कानून व्यवस्था सुदृढ़ रहे, इसके लिए प्रदेश में दूसरे दिन बुधवार को भी अवैध ई-रिक्शा व ऑटो के खिलाफ़ कार्रवाई की गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मंगलवार से पूरे प्रदेश में अभियान शुरू किया गया था।

1007 ई-रिक्शा सीज और 3093 का चालान

परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री जी के निर्देश पर अभियान मंगलवार से प्रारंभ हुआ था। अभियान के दूसरे दिन 1007 ई-रिक्शा सीज और 3093 का चालान हुआ। वहीं मंगलवार को 915 ई रिक्शा सीज किया गया था, जबकि 3035 का चालान हुआ था। यह कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। श्री सिंह ने बताया कि इस दौरान जागरूकता अभियान भी चलाया गया।

बुधवार को हुई कार्रवाई

अभियान के नोडल अधिकारी अपर परिवहन आयुक्त (प्रवर्तन) संजय सिंह ने बताया कि बुधवार को आगरा संभाग में 444, लखनऊ संभाग में 377, कानपुर में 277, गाजियाबाद संभाग में 257, झांसी में 216, वाराणसी में 161, अलीगढ़ संभाग में 140, अयोध्या में 135 और मुरादाबाद संभाग में 120 अवैध ई-रिक्शा पर कार्रवाई हुई।

गोरखपुर बनेगा एथेनॉल उत्पादन का हब

गीडा में अनाज आधारित एथेनॉल प्लांट का मुख्यमंत्री करेंगे उद्घाटन

» **पिपराइच चीनी मिल में भी एथेनॉल उत्पादन के लिए सरकार कर चुकी है बजटीय प्रावधान**

» **6 अप्रैल को प्रस्तावित है केयान डिस्टिलरी के एथेनॉल प्लांट का उद्घाटन**

आर्यावर्त संवाददाता

गोरखपुर। केंद्र की मोदी सरकार और राज्य की योगी सरकार बायो फ्यूल (जैव ईंधन) पर खासा जोर दे रही हैं। इस लिहाज से एथेनॉल को एक बेहतरीन विकल्प माना जाता है। एथेनॉल उत्पादन के लिए योगी सरकार की प्रतिबद्धता के परिणामस्वरूप यूपी देश का नम्बर वन एथेनॉल उत्पादक राज्य बन चुका है। राज्य के एथेनॉल उत्पादन में अब गोरखपुर भी बड़ी भूमिका निभाने जा रहा है। जिले में एक बड़े एथेनॉल प्लांट का मुख्यमंत्री के हाथों उद्घाटन होने जा रहा है। दो और प्लांट आने वाले दिनों में योगदान देने के लिए तैयार हो जाएंगे। एक ही जिले में तीन स्थानों पर एथेनॉल उत्पादन होने से गोरखपुर, पूर्वी उत्तर प्रदेश एथेनॉल उत्पादन का हब बनकर उभरेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा गोरखपुर को ग्रीन एनर्जी के नए केंद्र के रूप में विकसित करने की है। इसी क्रम में योगी सरकार की निवेश प्रोत्साहन नीति से गोरखपुर में निजी क्षेत्र का सबसे बड़ा एथेनॉल प्लांट गीडा के सेक्टर 26 में बनकर तैयार हो चुका है। 1200 करोड़ रुपये की यह निवेश परियोजना मेसर्स केयान डिस्टिलरी प्राइवेट लिमिटेड की है। इसके प्लांट का शिलान्यास 12 अगस्त 2023 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया था और अब 6 अप्रैल को उद्घाटन भी उन्हीं के हाथों प्रस्तावित है। केयान डिस्टिलरी के प्रबंध निदेशक विनय सिंह बताते हैं कि उनकी डिस्टिलरी में अनाज (चावल और मक्का) आधारित एथेनॉल का उत्पादन शुरू हो गया है। प्रथम चरण में 3 लाख लीटर प्रतिदिन की उत्पादन क्षमता का प्लांट क्रियाशील किया गया है। तीन चरणों में इसके विस्तार के बाद कुल उत्पादन क्षमता 10 लाख लीटर प्रतिदिन की हो जाएगी। एथेनॉल की खपत के लिए इंडियन ऑयल के साथ केयान का पहले ही एमओयू हो चुका है। इस प्लांट ने प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से चार हजार लोगों के लिए रोजगार का मार्ग भी प्रशस्त किया है। योगी सरकार की पहल पर पिपराइच चीनी मिल में भी एथेनॉल का उत्पादन किया जाएगा। एथेनॉल उत्पादन के लिए प्लांट लगाने को सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में 90 करोड़ रुपये की व्यवस्था कर दी है। इस डिस्टिलरी की उत्पादन क्षमता 60 हजार लीटर प्रति दिन होगी। यहां गन्ने के रस से सीधे एथेनॉल बनाने वाले प्लांट की स्थापना की जा सकती है। इस चीनी मिल में एथेनॉल उत्पादन होने से किसानों को गन्ना मूल्य भुगतान और त्वरित हो सकेगा। जिले के धुरियापार में भी आने वाले दिनों में एथेनॉल का उत्पादन होगा। यहां सरकार की पहल पर इंडियन ऑयल की बायो फ्यूल कॉम्प्लेक्स की परियोजना मूर्त हो रही है। इस परियोजना के पहले चरण में 165 करोड़ रुपये की लागत से कम्प्रेस्ड बायो गैस (सीबीजी) का प्लांट लोकार्पित हो चुका है। बायो फ्यूल कॉम्प्लेक्स प्रोजेक्ट के दूसरे चरण में एथेनॉल का उत्पादन होगा।

भदोही के आर्थिक परिदृश्य में होगा व्यापक परिवर्तन, आजमगढ़ में जीआईएस आधारित क्षेत्रीय विकास पर फोकस

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार प्रदेश के समेकित विकास को सुनिश्चित कर रही है। सीएम योगी का विजन है कि प्रदेश के कोने-कोने का विकास उसके वास्तविक पोटेंशियल आधारित हो। ऐसे में, सीएम योगी के विजन को मिशन मानकर भदोही और आजमगढ़ के आर्थिक व क्षेत्रीय विकास में भविष्य की जरूरतों अनुसार व्यापक स्तर पर वृद्धि करने की तैयारी की जा रही है। इस क्रम में भदोही के आर्थिक परिदृश्य के कायाकल्प के लिए विजन डॉक्यूमेंट तैयार होगा जिसकी तैयारी भदोही औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने करना शुरू कर दिया है।

वहीं, आजमगढ़ में क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने के लिए भौगोलिक सूचना तंत्र (जीआईएस) आधारित फ्रेमवर्क तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसे मास्टर प्लान 2031 के अनुसार धरातल पर उतारने की तैयारी की जा रही है जिसमें कुल 6 फेज में आजमगढ़ के 114 स्क्वेयर किमी के दायरे में औद्योगिक इकाइयों, मूलभूत इन्फ्रास्ट्रक्चर व यातायात समेत विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर कार्यों को पूरा किया जाएगा। आजमगढ़ विकास प्राधिकरण की ओर से इस प्रक्रिया को अंजाम दिया जाएगा जिसके लिए विभिन्न चरणों पर आधारित एक्शन प्लान के निर्माण की तैयारी की जा रही है।

भदोही के आर्थिक परिदृश्य को बढ़ाने के लिए बनेगा विजन डॉक्यूमेंट

भदोही औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने भदोही के आर्थिक परिदृश्य को व्यापक स्तर पर बढ़ाने के लिए जो विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने जा रही है उसके लिए प्राधिकरण द्वारा एक विशिष्ट टीम का गठन किया जाएगा। इस विशिष्ट टीम के गठन की प्रक्रिया जारी है। उल्लेखनीय है कि कालीन उद्योग के लिए प्रसिद्ध भदोही में इंफ्रास्ट्रक्चर, यातायात व औद्योगिक क्लस्टर समेत विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक प्रसार के लिए विभिन्न प्रक्रियाओं को पूरा किए जाने की तैयारी है। इसके अंतर्गत, सबसे पहले इन्सेप्शन रिपोर्ट तैयार की जाएगी तथा भदोही के प्रत्येक प्रमुख आर्थिक क्षेत्र के लिए गहन विश्लेषण कर क्षेत्रीय अध्ययन किया जाएगा। परिवहन, औद्योगिक क्लस्टर व डिजिटल उन्नयन पर ध्यान केंद्रित करने वाले बुनियादी फ्रेमवर्क के विकास और क्रियान्वयन का खाका तैयार किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, संभावित निवेशकों व भागीदारों को निवेश प्रोत्साहन नीति के अंतर्गत लक्षित करने रणनीति तथा सलाहकारों से प्राप्त फीडबैक और सिफारिशों को सारांशित कर सहभागिता रिपोर्ट तैयार की जाएगी। इन सभी तथ्यों को मिलाकर विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया जाएगा तथा इस कार्य को 6 महीने की समयावधि में पूरा करने की तैयारी है।

आजमगढ़ में जीआईएस बेस्ड जोनल डेवलपमेंट प्लान

आजमगढ़ विकास प्राधिकरण द्वारा 6 फेज में 114 स्क्वेयर किमी के दायरे में औद्योगिक इकाइयों, मूलभूत इन्फ्रास्ट्रक्चर व यातायात समेत विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर कार्यों को पूरा किए जाने की तैयारी है। इन सभी कार्यों को एक विशिष्ट टीम द्वारा मास्टर प्लान 2031 के अनरूप पूरा किया जाएगा। प्रक्रिया के अंतर्गत, जियो-डाटाबेस का पहले निर्माण किया जाएगा जिसके बाद जीआईएस बेस्ड जोनल डेवलपमेंट प्लान का निर्माण किया जाएगा। इसके जरिए डीटेल्ड बेस मैप के ग्राउंड वेरिफिकेशन, डीटेल्ड जोनल मैप का निर्धारण तथा मास्टर प्लान के अनुरूप जोनल डेवलपमेंट प्लान के निर्माण व क्रियान्वयन की प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा। इस दौरान होने वाले निर्माण व विकास कार्यों को सरकार की विभिन्न नीतियों व मानकों के अनुरूप चिह्नित करने तथा उसी आधार पर अनुदान व अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का विस्तृत फ्रेमवर्क तैयार किया जाएगा।

फेसबुक लाइव के माध्यम से 9 लाख से अधिक गन्ना किसान प्रशिक्षित

15,36,600 गन्ना किसानों तक है फेसबुक लाइव प्रशिक्षण की पहुंच

» **गन्ने की खेती से संबंधित विभिन्न विषयों पर किया जाता है फेसबुक लाइव**

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में गन्ने की खेती के लिए जो प्रोत्साहन और प्रयास किए जा रहे हैं उसका परिणाम है कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश देश में गन्ना उत्पादन और उत्पादकता में प्रथम स्थान पर है। इसी क्रम में गन्ना शोध संस्थानों के साथ विशेषज्ञ फेसबुक लाइव के माध्यम से गन्ना किसानों को अत्याधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

गन्ना विकास परिषद ये प्रशिक्षण कार्यक्रम फरवरी, 2024 से चला रही है। जिसकी पहुंच 15 लाख से अधिक गन्ना किसानों तक हो चुकी है। फेसबुक लाइव से प्रशिक्षण कार्यक्रम का लाभ प्रदेश के किसानों के साथ उत्तराखंड और नेपाल के गन्ना किसानों को भी मिल रहा है।

फेसबुक लाइव से दिया जा रहा गन्ना किसानों को प्रशिक्षण

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में गन्ना विकास परिषद प्रदेश के गन्ना किसानों को आधुनिक तकनीकी से परिचित करवाने के लिए जहां एक ओर शोध संस्थानों में प्रशिक्षण शिविर चला रहा है साथ ही फेसबुक लाइव के माध्यम से ऑनलाइन प्रशिक्षण भी चला रहा है। फेसबुक लाइव के माध्यम से प्रशिक्षण देने के साथ-साथ गन्ना किसानों की समस्याओं का भी त्वरित हल प्रदान किया जाता है।

उत्तर प्रदेश गन्ना विकास परिषद ये प्रशिक्षण कार्यक्रम फरवरी, 2024 से चला रहा है। एक वर्ष की समयावधि में फेसबुक लाइव प्रशिक्षण की पहुंच 15,36,600 गन्ना किसानों तक हो चुकी है। जबकि टोटल व्यू 9,10,342 हैं, जिन्होंने ने सक्रिय तौर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का लाभ लिया है। गन्ना विकास परिषद ने अब तक 18 फेसबुक लाइव कार्यक्रम चलाए हैं।

फेसबुक लाइव के माध्यम से गन्ना किसानों को प्रशिक्षण देने से इसकी पहुंच कम समय में अधिक गन्ना किसानों तक प्रत्यक्ष रूप संभव हो रही है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का लाभ न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि उत्तराखंड और नेपाल के गन्ना किसान भी प्राप्त कर रहे हैं।

गन्ना कृषि शोध संस्थानों में चलाये जा रहे निःशुल्क प्रशिक्षण शिविर

उप्र गन्ना विकास परिषद, फेसबुक लाइव के साथ ही शोध संस्थानों के माध्यम से पारंपरिक तरीके से भी प्रशिक्षण कार्यक्रम चला रहा है। गन्ना विकास परिषद मुजफ्फरनगर , शाहजहांपुर और सेवरही संस्थानों में निशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम चला रहा है। इन गन्ना कृषि शोध संस्थानों में भी अब तक 19,039 किसान प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं।

इसके साथ ही मेरठ, रामपुर, लखीमपुर, बरेली, हरदोई, पीलीभीत के साथ नेपाल में भी प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया गया है।प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के गन्ना किसानों को गन्ने की उन्नत किस्मों के साथ कृषि की आधुनिक तकनीकों से परिचित करवाना है।

साथ ही गन्ना किसानों को न केवल गन्ना की खेती बल्कि मूल्य भुगतान, बीज की उपलब्धता जैसी समस्याओं का भी निदान किया जाता है। इसी का परिणाम है कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश गन्ने के उत्पादन और उत्पादकता में नंबर वन होने के साथ चीनी उत्पादन में भी देश में सबसे आगे है।

रूद्र दमन सिंह ने संभाला लखनऊ जिला कांग्रेस कमेटी का पदभार

लखनऊ। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में जिला और शहर अध्यक्षों की नई नियुक्तियां की गई हैं। इसी क्रम में जिला कांग्रेस कमेटी लखनऊ के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष रूद्र दमन सिंह ने आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में अपने समर्थकों के साथ पदभार ग्रहण किया।इस अवसर पर निवर्तमान जिलाध्यक्ष वेद प्रकाश त्रिपाठी ने उन्हें चार्ज सौंपते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश कुमार सिंह ने नवनियुक्त जिलाध्यक्ष को बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि वे पार्टी संगठन को नए और पुराने कार्यकर्ताओं को साथ लेकर और मजबूत करेंगे।

रूद्र दमन सिंह ने पदभार ग्रहण करने के बाद कहा कि शीर्ष नेतृत्व ने उन पर जो भरोसा जताया है, वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से उस पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे।

तमिलनाडु में हिंदी विरोध का सच

तमिलनाडु के बजट से रूपए के आधिकारिक हिंदी प्रतीक की विदाई और तमिलभाषा वाले प्रतीक के इस्तेमाल पर हंगामा स्वाभाविक है। दक्षिण में तमिलनाडु इकलौता राज्य है, जिसकी राजनीति तकरीबन सभी ज्वलंत मुद्दों पर बनी राष्ट्रीय सहमति से अलहदा कदम उठाती रही है। श्रीलंका के लिट्टे विद्रोहियों का मसला, हिंदी विरोध और लोकसभा सीटों के परिसीमन के मुद्दे, तमिल राजनीति की सोच राष्ट्रीय सहमति से अलग रही है। लिट्टे के खिलाफ जहां देशव्यापी गुस्सा रहा, वहीं डीएमके की राजनीति उसके प्रति राग से भरी रही। इस तरह उसने अपना एक अलग तमिल नैरेटिव रचा। रूपए के प्रतीक का तमिलकरण और हिंदी विरोध की ताजा सोच, अतीत के तमिल नैरेटिव का ही विस्तार है। सबसे पहले आज के दौर की राजनीतिक मंशा को समझना जरूरी है। मौजूदा राजनीति का हर नया कदम और नई राजनीतिक नैरेटिव बनाने की कोशिश के परोक्ष और प्रत्यक्ष, दो उद्देश्य हैं। पहला मकसद जहां तुरंत जनभावनाओं को अपने पक्ष में मोड़कर सियासी फायदा उठाना होता है, वहीं इनके सहारे भविष्य के लिए अपनी मजबूत सियासी इमारत खड़ा करने की भी कोशिश भी रहती है। तमिलनाडु सरकार के उद्वेलित करने वाले हालिया कदमों का तात्कालिक कारण है अगले साल होने वाला विधानसभा चुनाव। इन मुद्दों के जरिए डीएमके अपने पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश कर रही है। चूंकि ये मुद्दे तकरीबन आठ दशकों से डीएमके की राजनीतिक फसल के लिए बेहतर खाद रहे हैं, इसलिए एक बार फिर स्टालिन को इनसे उम्मीद नजर आ रही है।

संविधान के मुताबिक, भारत भले ही राज्यों का संघ हो, लेकिन राज्यों को राष्ट्रीय मुद्दों से अलग राह, जिनमें अलगाववाद के खतरे हों, किसी भी कीमत आगे बढ़ने की छूट नहीं है। संविधानसभा की बहस के दौरान राज्यों के ऐसे कदमों की आशंका जताई गई थी। इसी वजह से मजबूत केंद्र की अवधारणा की मांग स्वीकार की गई। इसके बावजूद आए दिन कुछ न कुछ राज्य राष्ट्रीय सोच से अलग रूख और राह अख्तियार करने की कोशिश करते रहते हैं। हाल के दिनों में इस कोशिश में वह पश्चिम बंगाल भी जुड़ गया है, जहां से राष्ट्रवाद की विचारधारा को बल मिला था। तमिलनाडु तो खैर अरसे से ही कई मुद्दों पर अलग रूख अख्तियार करता रहा है। ऐसा करते वक्त तमिल राजनीति इस तथ्य की अनदेखी करती रही है कि संविधान और राष्ट्र की प्राचीन अवधारणा के लिहाज से तमिल धरती पूरी तरह भारतीय है।

हिंदी विरोध की सोच तमिलनाडु में 1935 में डीएमके के वैचारिक उभार के साथ ही शुरू हुई। तब भी यह विचार, राष्ट्रीय युगबोध से अलग था। तमिलनाडु में पहले क्रांतिकारी सोच के नाम पर ब्राह्मण विरोध की शुरूआत हुई, जिसका अगला कदम हिंदी विरोध रहा। अब यह सोच एक तरह से उत्तर भारत के तीखे विरोध तक पहुंच चुकी है। दिलचस्प यह है कि इसमें कई बार कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी भी मददगार होती रही है। 2023 के विधानसभा चुनावों में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में बीजेपी और तेलंगाना में कांग्रेस को मिली जीत को लेकर कांग्रेसी बौद्धिकों ने नैरेटिव गढ़ा था। जिसके हिसाब से गोबर पट्टी के राज्यों को पिछड़ा और दक्षिणी राज्यों को समझदार बताया गया। यानी जो बीजेपी को चुने, वह पिछड़ा और जो कांग्रेस को चुने, वह प्रगतिशील। इस नैरेटिव ने एक तरह से उत्तर और दक्षिण के विभाजन की रेखा को खींचने की कोशिश की। इसी का विस्तार लोकसभा सीटों के परिसीमन को लेकर द्रविड़ राजनीति की ओर से उठाए जा रहे सवालों में भी दिख सकता है। राष्ट्रीय सहमति और सोच से उलट सोच के लिए अतीत में डीएमके को कीमत भी चुकानी पड़ी है। 1991 में तत्कालीन चंद्रशेखर ने सरकार ने तब करूणानिधि सरकार को कुछ ऐसी ही वजह से बर्खास्त कर दिया था। कांग्रेस करीब दो दशक से डीएमके की सहयोगी है, लेकिन अतीत में एक बार वह भी डीएमके की ऐसी ही सोच के चलते केंद्र की गुजराल सरकार को गिरा चुकी है। अभी चाहे हिंदी का सवाल हो या फिर रूपए के प्रतीक को बदलने की बात, डीएमके के रूख पर कांग्रेस ने फिलहाल चुप्पी साध रखी है। ऐसा लगता है कि इन मुद्दों पर कांग्रेस की स्थिति सांप और छछूंदर जैसी हो गई है। अगर वह डीएमके का विरोध करती है तो उसे अपने स्थानीय समर्थकों के छिटकने का डर है और यदि समर्थन करती है तो उत्तर भारत में उसकी उम्मीदें बिखर सकती हैं। लेकिन बीजेपी ने आक्रामक रूख अपना रखा है। रूपए का हिंदी प्रतीक बदलने का सबसे तेज विरोध तमिल मूल की निर्मला सीतारमण और तमिलनाडु बीजेपी अध्यक्ष अन्नामलाई कर रहे हैं। उनका साथ उनकी पूर्ववर्ती तमिलसाई सौंदर्याराजन दे रही हैं। बीजेपी की कोशिश है, स्टालिन के हिंदी विरोध की हवा तमिल सोच के जरिए निकालने की है। इसका आधार जोहो कंपनी प्रमुख श्रीधर वेंबु हिंदी समर्थन में बयान देकर मुहैया करा चुके हैं। अगले साल अप्रैल-मई में तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होने हैं। 2021 के चुनाव में एक दशक के अन्नाद्रमुक राज के बाद डीएमके को सत्ता मिली थी। इसे बचाए रखने की जुगत में स्टालिन जुट गये हैं। उत्तर और हिंदी विरोधी माहौल जिंदा करना और स्थानीय भावनाओं को उभारना तमिलनाडु में सबसे आसान रहा है। त्रिभाषा फ़ॉर्मूले में स्टालिन को हिंदी विरोध की आसान राह सूझी और वे मैदान में कूद पड़े। लोकसभा सीटों के परिसीमन में जनसंख्या के लिहाज से सीटें कम होने का डर वह पहले से दिखा रहे हैं।

पड़ोसियों की तिकड़मों से सबक सीखे भारत, हिंदुत्व की पकड़े राह?

वैसे तो इतिहास ने पंडित नेहरू, इंदिरा गांधी और नरेंद्र मोदी को सर्वाधिक मौका दिया, लेकिन संतुलित राष्ट्रवाद और अटल राष्ट्रीयता की कसौटी पर ये लोग खरे नहीं उतरे। यह कड़वा सच है कि इनके तमाम किंतु-परंतु से स्थितियां और अधिक उलझती गईं।

कमलेश पांडे

विभिन्न सुलगते हुए प्रादेशिक-राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय और मानवीय विषयों पर भारतीय राजनेताओं, नौकरशाहों, न्यायविदों, संपादकों, समाजसेवियों और अपने-अपने पेशे में दक्ष लोगों के जो नीतिगत अंतर्विरोध हैं, वह राष्ट्रहित में तो कतई नहीं है। वहीं कुछ लोगों का स्पष्ट मानना है कि इन अंतर्विरोधों का असली स्रोत हमारे संविधान में अंतर्निहित है, जो 'विदेशी फूट डालो, राज करो' की नीतियों का 'देशी स्वरूप' मात्र है।

अजीब विडंबना है कि समकालीन माहौल में चिन्हित संवैधानिक त्रुटियों को बदलने के लिए जिस राजनीतिक कद के व्यक्ति को आगे आना चाहिए, वह अभी तक आगे नहीं आ पाया है। वैसे तो इतिहास ने पंडित नेहरू, इंदिरा गांधी और नरेंद्र मोदी को सर्वाधिक मौका दिया, लेकिन संतुलित राष्ट्रवाद और अटल राष्ट्रीयता की कसौटी पर ये लोग खरे नहीं उतरे। यह कड़वा सच है कि इनके तमाम किंतु-परंतु से स्थितियां और अधिक उलझती गईं। इससे हमारे पड़ोसी देशों का दुस्साहस बढ़ता गया और आज का भारत अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए चीन-अमेरिका-रूस जैसे विदेशी ताकतों पर निर्भर है। वहीं, इनकी स्वार्थपरक बदनीयती से भारत और भारतीयता दोनों वैश्विक चक्रब्युह में उलझ चुकी है और इस्लामिक चक्रब्युह में बुरी तरह से फंसती जा रही है। लिहाजा, भारत के पास अब तीन ही विकल्प बचे हैं- पहला, वह विभिन्न चुनौतियों के वक्त खरी उतरी रूसी मित्रता को और मजबूत बनाए। दूसरा, चीनी चालबाजियों के खिलाफ स्पष्ट दृष्टिकोण अपनाए। और तीसरा, इस्लाम विरोधी अमेरिकी गठबंधन में यदि शामिल होना है तो रूस-चीन से बेपरवाह होकर सिर्फ अमेरिका से मजबूत रिश्ते बनाए और विभाजित भारत में हिंदुत्व की भावना को मजबूत बनाए।

वहीं, यदि कोई धर्मनिरपेक्षता की बात करे तो यूनिफिकेशन ऑफ इंडिया की बात उठाए, फिर धर्मनिरपेक्षता अपनाए। क्योंकि इससे चीनी दाल पाकिस्तान-बांग्लादेश में नहीं गल पाएगी। ऐसा इसलिए कि अंतर्विरोधों से भरा हुआ व्यक्ति, परिवार, समाज व राष्ट्र देर-सबेर नष्ट हो जाता है। मैं नहीं चाहता कि कतिपय अंतर्विरोधों से भरा हुआ गुलाम भारत और उसके बाद अस्तित्व में आया आजाद भारत भी अपने अमृतकाल यानी न्यू इंडिया के जमाने में 2047 के बाद भी उन्हीं स्थितियों-परिस्थितियों से गुजरे, जो इसकी 800 सालों की गुलामी और मर्मांतक राष्ट्र-विभाजन की मौलिक वजह समझी गई हैं।

इसलिए मौलिक व ऐतिहासिक परिवर्तन तभी संभव होगा, जब राजनेता-नौकरशाह-न्यायविद, सैन्य हुक्मरान और अपने-अपने पेशे के दक्ष लोग जाति-धर्म मुक्त होकर एक सशक्त और उदार भारत की नींव रखना चाहेंगे, जहां हिन्दू हितों से कोई समझौता नहीं हो। जैसे कि पाकिस्तान व बंगलादेश में मुस्लिम हितों से कोई समझौता नहीं किया जाता है। गुजरते दशकों में या आजकल अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और मीडिया में चीन-बांग्लादेश-पाकिस्तान की जारी तिकड़मों से भारत को सबक लेना चाहिए और नेपाल, भूटान, म्यांमार, श्रीलंका, मालदीव, अफगानिस्तान आदि की भी नकेल कसते हुए भारत के समग्र हित को साधने की स्पष्ट रणनीति तैयार करनी चाहिए। यह सबकुछ तभी सम्भव होगा जब हमारी सरकार हिंदुत्व की मजबूत राह पकड़ेगी और चीनी शह पर खलता प्रदर्शित कर रहे पड़ोसियों को जमीनी हकीकत से रूबरू करवाएगी। इसके लिए साम, दाम, दंड, भेद की नीतियों की जरूरत भी पड़े तो उसे अपनाने में हमारी सरकार को नहीं हिचकना चाहिए।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि विविधता हमारी खूबसूरती है, लेकिन यही बात धर्मनिरपेक्षता पर तब लागू होगी जब पाकिस्तान-बांग्लादेश का विलय भारत में हो जाए। जबतक जर्मनी और इटली की तरह इंडिया का भी एकीकरण नहीं हो जाता, तब तक हिंदुस्तान हिंदुओं का मुल्क है और समकालीन चीनी, पाकिस्तानी, बांग्लादेशी तिकड़मों का जवाब भी हिंदूवादी रणनीति के जरिए ही दिया जा सकता है। इस बात में किसी को संशय नहीं होना चाहिए, क्योंकि वेद में स्पष्ट कहा गया है कि संशयात्मा विनश्यति। यानी जिसके मन में संशय हो, उसका विनाश निश्चित है। इस नजरिए से केंद्रीय और विभिन्न राज्यों की सत्ता में मजबूत हुई भाजपा और उसकी मार्गदर्शक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा विभिन्न मौकों पर अडिग हिंदुत्व को लेकर जो संशय दिखाए जा रहे हैं, उससे भविष्य में 'कांग्रेस' मजबूत होगी और भाजपा की दुर्गति कांग्रेस से ज्यादा हो सकती है। क्योंकि भारतीय मतदाता बहुत ही मंजे हुए निर्णय लेते हैं।

आखिर 'पारसी वधू' पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी वाली गलतियां भी 'वैश्य बहादुर' मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी दुहराएंगे तो फिर कांग्रेस और भाजपा में क्या अंतर रह जाएगा? शायद अंतर है भी नहीं, क्योंकि सत्ता में आते ही सुविधाभोगी नौकरशाही और उद्योगपतियों का 'गिरोह' कतिपय अंतरराष्ट्रीय संधियों/मजबूरियों जनित लाभ-हानि का वास्ता देकर राजनीतिक ह्रदय परिवर्तन करवाने में सफल हो जाते हैं! हालांकि, इससे समय तो कट जाता है लेकिन भारत और भारतीयता के लिहाज से दूरदर्शितापूर्ण फैसले नहीं लिए जा पाते। अन्यथा आजादी के आठवें दशक भारत को आंख दिखाने लायक पाकिस्तान और बंगलादेश बचते ही नहीं और आसेतु हिमालय में पैर जमाने के बारे में कोई भी स्वप्न चीन को ही डराता। लेकिन आज....? आज देश में हर जगह पर जो गृह युद्ध या जातीय/क्षेत्रीय उन्माद नजर आता है, वह भी कहीं नहीं नजर आता! आपने देखा-सुना होगा कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस गत माह 26 से 29 मार्च 2025 तक चीन के दौरे पर थे। इससे पहले उनका पाकिस्तानी प्रेम भी छलक चुका था, जो चीन को रिझाने की पहली शर्त थी। आखिर वह भी तो है पूर्वी पाकिस्तान का ही अंश। उसका नाम बांग्लादेश भले ही हो, लेकिन पाकिस्तान-बंगलादेश के खिलाफ भारत के राजनेता हमेशा शॉफ्ट रहे, ताकि भारतीय मुसलमान उन्हें वोट देते रहें।

मसलन, यदि यही नीति सही है तो भारत का प्रधानमंत्री 1947 में मोहम्मद जिन्ना को बना दिया जाता और 2025 में भी शाहनवाज हुसैन एक चतुर प्रधानमंत्री हो सकते हैं? और यदि ऐसा नहीं किया जा सकता तो फिर पाकिस्तान-बंगलादेश से हमदर्दी किस बात की। क्या कांग्रेस और भाजपा के सियासी तुष्टीकरण के लिए हिंदुत्व की बलि दी जा सकती है, यक्ष प्रश्न है? यदि भारत में रहने वाले लोग विदेशी भाषा बोलें तो उन देशद्रोहियों को यहां रहने का क्या हक है? लेकिन यह सबकुछ हो रहा है? आपने देखा होगा कि 26-27 मार्च को राष्ट्रपति शी चिनफिंग से उनकी द्विपक्षीय बातचीत के दौरान कई महत्वपूर्ण करार तो हुए ही, साथ ही कार्यवाहक प्रधानमंत्री मो. यूनुस, जो नॉबेल पुरस्कार विजेता भी हैं, ने यह भी कहा कि चीन का विकास बांग्लादेश के लिए प्रेरणादायक है। दोनों देशों के साझा बयान में बांग्लादेश में तीस्ता प्रोजेक्ट के लिए चीनी कंपनियों को भी न्योता दिया। स्मरण रहे कि पिछले साल जून 2024 में भी पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना चीन गई थीं और भारत द्वारा अंदरखाने में आंख तरेरने के बाद उस दौरे को अधूरा छोड़कर वह बांग्लादेश लौट आई थीं। ततपश्चात उन्होंने कहा था कि वह चाहती है कि प्रोजेक्ट भारत की ओर से पूरा हो। उसके बाद उनके साथ जो कुछ हुआ, रहस्यमय बात है!

अजब-गजब

'होटल में रुकें, तो तिजोरी में रखें टूथब्रश', Air Hostess ने खोले ऐसे डर्टी सीक्रेट, जानकर हिल गए लोग

होटल में ठहरने का अपना एक अलग ही मजा है। ना साफ-सफाई की झंझट, और ना खाने-पीने की टेंशन। ऊपर से खूबसूरत इंटीरियर वाले कमरों में क्वालिटी टाइम बिताने का मौका अलग। लेकिन होटल से जुड़े कुछ ऐसे भी डर्टी सीक्रेट्स हैं, जिनके बारे में आप शायद ही जानते होंगे। हाल ही में एक एयर होस्टेस ने कुछ ऐसा ही खुलासा करके लोगों को चौंका दिया है। एयर होस्टेस ने लोगों को चेताया कि अगर वे होटल में ठहरते हैं, तो अपने टूथब्रश को हमेशा तिजोरी (Keep Toothbrush In Hotel Safe) में बंद करके निकलें। यकीन मानिए, जब आप इसके पीछे की वजह जानेंगे तो शॉक्ड रह जाएंगे।

अर्जेंटीना की 32 वर्षीय एयर होस्टेस बार्बीबैक ला अजाफटा (Barbiebac La Azafata) स्पेन की लो बजट एयरलाइन 'वुएलिंग' में काम करती हैं। उन्हें इंस्टाग्राम पर 7 लाख से अधिक लोग फॉलो करते हैं। वह सोशल मीडिया पर लोगों को ट्रैवलिंग से जुड़े टिप्स देती हैं। हाल ही में बार्बीबैक ने होटल से जुड़ी कुछ ऐसी बातें बताईं, जिसे सुनकर लोग घबरा गए हैं।

एयर होस्टेस ने एक वीडियो शेयर कर लोगों को चेताया कि वे जब भी किसी होटल में ठहरें, तो अपने टूथब्रश को हमेशा वहां दी गई तिजोरी के भीतर बंद करक निकलें। बार्बीबैक भी यही करती हैं। लेकिन इसके पीछे उन्होंने जो वजह बताई, वो काफी शॉकिंग है। ये भी देखें:3।6 करोड़ सैलरी, रहना-गाड़ी सब फ्री, जानिए कहां से आया ये तगड़ा Job Offer

न्यूयॉर्क पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, एयर होस्टेस ने दावा किया कि हाउसकीपिंग स्टाफ अपने मैनेजर से इतना खफा होता है कि वो अपनी भड़ास होटल में आए मेहमानों के निजी सामानों से छेड़छाड़ करके निकालते हैं। जैसे, टूथब्रश से गंदगी साफ कर देना। बार्बीबैक ने कहा, मैंने तो यह भी सुना है कि वे टूथब्रश से बाथरूम तक साफ कर देते हैं। ये भी देखें: यहां आने वाला है महाभूकंप, 3 लाख लोगों की एक झटके में जा सकती है जान, डूब सकते हैं कई शहर! इसके अलावा उन्होंने बाथरूम के शीशे से जुड़ी एक जरूरी टिप्स भी दी। उन्होंने कहा, बाथरूम इस्तेमाल करने से पहले शीशे पर अपनी उंगली सटाकर जरूर देखें। अगर उंगलियों के बीच में गैप है, तो वह नॉर्मल मिरर है। लेकिन अगर ऐसा नहीं हुआ, तो समझ लीजिए कि पीछे से कोई आपको देख सकता है।

ब्लॉग

कृषि क्षेत्र में करवट बदलता भारत

प्रह्लाद सबनानी

भारत में लगभग 60 प्रतिशत आबादी आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है और अपनी आजीविका के लिए कृषि क्षेत्र पर निर्भर है। जबकि, कृषि क्षेत्र का भारत के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान केवल 18 प्रतिशत के आस पास बना हुआ है। इस प्रकार, भारत में यदि गरीबी को जड़ मूल से नष्ट करना है तो कृषि के क्षेत्र में आर्थिक सुधार कार्यक्रमों को लागू करना ही होगा। भारत ने हालांकि आर्थिक क्षेत्र में पर्याप्त सफलताएं अर्जित की हैं और भारत आज विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है तथा शीघ्र ही अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। साथ ही, भारत आज विश्व में सबसे अधिक तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था भी बन गया है। परंतु, इसके आगे की राह अब कठिन है, क्योंकि केवल सेवा क्षेत्र एवं उद्योग क्षेत्र के बल पर और अधिक तेज गति से आगे नहीं बढ़ा जा सकता है और कृषि क्षेत्र में आर्थिक विकास की दर को बढ़ाना होगा।

भारत में हालांकि कृषि क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रम लागू किए गए हैं और भारत आज कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन गया है। परंतु, अभी भी बहुत कुछ किए जाने की आवश्यकता है। किसानों के पास पूंजी का अभाव रहता था और वे बहुत ऊंची ब्याज दरों पर महाजनों से ऋण लेते थे और उनके जाल में जीवन भर के लिए फंस जाते थे, परंतु, आज इस समस्या को बहुत बड़ी हद तक हल किया जा सका है और किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किसान को आसान नियमों के अंतर्गत बैंकों से पर्याप्त ऋण की सुविधा उपलब्ध है और इस सुविधा का लाभ आज देश के करोड़ों किसान उठा रहे हैं। दूसरे, इसी संदर्भ में किसान सम्मान निधि योजना भी किसानों के लिए बहुत लाभकारी सिद्ध हो रही है और इस योजना का लाभ भी करोड़ों किसानों को मिल रहा है। इससे किसानों की कृषि सम्बंधी बुनियादी समस्याओं को दूर करने के सफलता मिली है।

भारतीय कृषि आज भी मानसून पर निर्भर है। देश के ग्रामीण इलाकों में सिंचाई सुविधाओं का अभाव है। इस समस्या को हल करने के उद्देश्य से भारत सरकार प्रति बूंद अधिक फसल की रणनीति पर काम कर रही है एवं सूक्ष्म सिंचाई पर बल दिया जा रहा है ताकि कृषि के क्षेत्र में पानी के उपयोग को कम किया जा सके तथा जल संरक्षण के साथ सिंचाई की लागत भी कम हो सके। देश में कृषि जोत हेतु पर्याप्त भूमि का अभाव है और देश में सीमांत एवं छोटे किसानों की संख्या करोड़ों की संख्या में हो गई है। जिससे यह किसान किसी तरह अपना और परिवार का भरण पोषण कर पा रहे हैं इनके लिए कृषि लाभ का माध्यम नहीं रह गया है। इन तरह की समस्याओं के हल हेतु अब केंद्र सरकार विभिन्न उत्पादों के लिए प्रतिवर्ष न्यूनतम समर्थन मूल्य में, मुद्रा स्फीति को ध्यान में रखकर, वृद्धि करती रहती है, इससे किसानों को अत्यधिक लाभ हो रहा है। भंडारण सुविधाओं (गोदामों एवं कोल्ड स्टोरेज का निर्माण) में पर्याप्त वृद्धि दर्ज हुई है एवं साथ ही परिवहन सुविधाओं में सुधार के चलते किसान कृषि उत्पादों को लाभ की दर पर बेचने में सफल हो रहे है अन्यथा इन सुविधाओं में कमी के चलते किसान अपने कृषि उत्पादों को बाजार में बहुत सस्ते दामों पर बेचने पर मजबूर हुआ करता था। खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना भारी मात्रा में की जा रही है इससे कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन को बढ़ावा मिल रहा है एवं कृषि उत्पादों की बर्बादी को रोकने में सफलता मिल रही है।

आज भारत में उच्च गुणवत्ता वाले बीजों के उपयोग पर ध्यान दिया जा रहा है ताकि उर्वरकों के उपयोग की आवश्यकता कम हो एवं कृषि उत्पादकता बढ़े। इस संदर्भ में मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना भी किसानों की मदद कर रही है इससे किसान कृषि भूमि पर मिट्टी के स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर कृषि उत्पाद कर रहे हैं। राष्ट्रीय कृषि बाजार को स्थापित किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि किसान सीधे ही उपभोक्ता को उचित दामों पर अपनी फसल को बेच सके। साथ ही, कृषि फसल बीमा के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि देश में सूखे, अधिक वर्षा, चक्रवात, अतिवृष्टि, अग्नि आदि जैसी प्रकृतिक आपदाओं के चलते प्रभावित हुई फसल के नुक्सान से किसानों को बचाया जा सके। आज करोड़ों की संख्या में किसान फसल बीमा योजना का लाभ उठा रहे हैं।

देश में खेती किसानी का काम पूरे वर्ष भर तो रहता नहीं है अतः किसानों के लिए अतिरिक्त आय के साधन निर्मित करने के उद्देश्य से डेयरी, पशुपालन, मधु मक्खी पालन, पोल्ट्री, मत्स्य पालन आदि कृषि सहायक क्षेत्रों पर भी ध्यान दिया जा रहा है, ताकि किसानों को अतिरिक्त आय की सुविधा मिल सके। विश्व के विभिन्न देशों ने अपनी आर्थिक प्रगति के प्रारम्भिक चरण में कृषि क्षेत्र का ही सहारा लिया है। औद्योगिक क्रांति तो बहुत बाद में आती है इसके पूर्व कृषि क्षेत्र को विकसित अवस्था में पहुंचाना होता है। भारत में भी आज कृषि क्षेत्र, देश की अर्थव्यवस्था का आधार है, जो न केवल खाद्य सुरक्षा प्रदान करता है बल्कि करोड़ों नागरिकों के लिए रोजगार के अवसर भी निर्मित करता है। साथ ही, औद्योगिक इकाईयों के लिए कच्चा माल भी उपलब्ध कराता है। वैश्विक स्तर पर कृषि क्षेत्र की महत्ता आगे आने वाले समय में भी इसी प्रकार बनी रहेगी क्योंकि इस क्षेत्र से पूरी दुनिया के नागरिकों के लिए भोजन, उद्योग के लिए कच्चा माल एवं रोजगार के अवसर कृषि क्षेत्र से ही निकलते रहेंगे। हां, कृषि क्षेत्र में आज हो रही प्रौद्योगिकी में प्रगति के चलते किसानों को कम भूमि पर, मशीनों का उपयोग करते हुए, कम पानी की आवश्यकता के साथ भी अधिक उत्पादन करना सम्भव हो रहा है। इससे उत्पादन क्षमता में वृद्धि के साथ कृषि उत्पाद की लागत कम हो रही है और किसानों के लिए खेती एक उद्योग के रूप में पनपता हुआ दिखाई दे रहा है और अब यह लाभ का व्यवसाय बनता हुआ दिखाई देने लगा है।

केला, आम, अमरूद, पपीता, नींबू जैसे कई ताजे फलों एवं चना, भिंडी जैसी सब्जियों, मिर्च, अदरक जैसे प्रमुख मसालों, जूट जैसी रेशेदार फसलों, बाजरा एवं अरंडी के बीज जैसे प्रमुख खाद्य पदार्थों एवं दूध के उत्पादन में भारत पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर आ गया है। दुनिया के प्रमुख खाद्य पदार्थों यथा गेहूं एवं चावल का भारत विश्व में दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। भारत वर्तमान में कई सूखे मेवे, कृषि आधारित कपड़े, कच्चे माल, जड़ और कांड फसलों, दालों, मछली पालन, अंडे, नारियल, गन्ना एवं कई सब्जियों का पूरे विश्व में सबसे बड़ा उत्पादक है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान भारत 80 प्रतिशत से अधिक कृषि उपज फसलों (काफी एवं कपास जैसी नकदी फसलों सहित) के साथ दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा उत्पादक देश बन गया था। साथ ही, भारत सबसे तेज विकास दर के साथ पशुधन एवं मुर्गी मांस के क्षेत्र में दुनिया के पांच सबसे बड़े उत्पादक देशों में शामिल हो गया है।

कुल मिलाकर भारतीय अर्थव्यवस्था में किसी भी दृष्टि से कृषि क्षेत्र के योगदान को कमतर नहीं आंका जा सकता है क्योंकि उद्योग एवं सेवा क्षेत्र का विकास भी कृषि क्षेत्र के विकास पर ही निर्भर करता है। अधिकतम उपभोक्ता तो आज भी ग्रामीण इलाकों में ही निवास कर रहे हैं एवं उद्योग क्षेत्र में निर्मित उत्पादों की मांग भी ग्रामीण इलाकों से ही निकल रही है। अतः देश में कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देना ही होगा।

कैसे बदलेगी किसानों की किस्मत? राष्ट्रीय किसान मंच ने बताया रास्ता, राजनीतिक पार्टियों पर लगाया ये आरोप

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। देश में बेरोजगारी, महंगाई और मूलभूत मुद्दों पर बहस के बजाय धार्मिक भावनाओं को भड़काया जा रहा है और इतिहास से छेड़छाड़ की जा रही है। यह चिंता राष्ट्रीय किसान मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष शेखर दीक्षित ने लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम में व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कोई भी दल इस प्रवृत्ति से अछूता नहीं है, लेकिन हमें यह सोचना चाहिए कि क्या इससे देश और हमारी आने वाली पीढ़ियों का भला होगा।

दीक्षित ने कहा कि आज गांव, गरीब और किसान पीछे छूट गए हैं। हम आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं, लेकिन गांव और किसान आज भी अपनी बेबसी पर आंसू बहा रहे हैं। सरकारी आंकड़ों में गांवों का विकास दिखाया जाता है और किसानों को खुशहाल बताया जाता है, लेकिन वास्तविक स्थिति इसके विपरीत है।

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि जब तक गांवों का वास्तविक विकास नहीं होगा और किसान खुशहाल नहीं होंगे, तब तक देश का संपूर्ण विकास संभव नहीं है।

निकालेंगे गांव-गांव पदयात्रा

दीक्षित ने घोषणा की कि राष्ट्रीय किसान मंच जल्द ही गांव-गांव पदयात्रा निकालेगा, जिसका उद्देश्य किसानों की समस्याओं को समझना और उनके समाधान की दिशा में कदम उठाना होगा। यह यात्रा ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के बीच जागरूकता फैलाने और उनके अधिकारों के लिए संघर्ष करने का माध्यम बनेगी। इसके साथ ही, राष्ट्रीय किसान मंच शहरी वार्डों में भी सदस्यता अभियान शुरू करेगा।

AAP के नेता हुए शामिल

इस कार्यक्रम में आम आदमी पार्टी (AAP) के कई पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय किसान मंच की सदस्यता ग्रहण की। राष्ट्रीय अध्यक्ष शेखर दीक्षित ने उनका स्वागत किया और मंच के प्रदेश अध्यक्ष अरुण कुमार बाबा ने कहा कि राष्ट्रीय किसान मंच के विचारों और उद्देश्यों से अब और भी लोग आकर्षित हो रहे हैं, विशेषकर वे लोग जो किसानों के मुद्दों को प्राथमिकता देते हैं।

इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष शहन शाह हुसैन, जिला उपाध्यक्ष राजेश कुमार पाण्डेय, जिला सचिव अनुराग मेहरोत्रा, सुबोध अवस्थी, अभिषेक मिश्रा, निजामुद्दीन, सलमान, मनीष, मासूम अली, अमानत अली, विपिन साहू, किसन लाल, नीरज, मसूदुर रहमान, नजिश फातिमा और फरजाना सिद्दीकी ने राष्ट्रीय किसान मंच की सदस्यता ग्रहण की।

झांसी में दिल दहलाने वाला मामला : किशोर ने दिव्यांग बच्चे को दांतों से कई बार काटा, गुप्तांग भी था जख्मी... मौत

आर्यावर्त संवाददाता

ललितपुर। उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले के थाना जखौरा के गांव बिनेका तोरण में दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक किशोर ने सात वर्षीय दिव्यांग बच्चे को अकेला पाकर उसके शरीर पर दांतों से जगह-जगह काटा। उसका गुप्तांग भी कटा हुआ था। परिजन जब घर पहुंचे तो बेटे की हालत देखकर चीख-पुकार मच गई। घायल को अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे झांसी रेफर किया गया। इस दौरान उसकी मौत हो गई।

गांव बिनेका तोरण निवासी छोटू राजा (7) पुत्र सुजान सिंह बचपन से दिव्यांग है। वह घर पर ही रहता था। मंगलवार की शाम को छोटू घर पर लेटा था। जबकि पिता खेत पर गया था। मां भावना बाड़े में मवेशियों को चारा रखने गई थी। जाते समय वह दरवाजा की कुंडी लगाकर गई थी। वापस लौटकर आई तो दरवाजा खुला हुआ था। अंदर पहुंची तो यहां पड़ोस के एक किशोर को मौजूद पाया। कारण पूछने पर आरोपी किशोर भावना को धक्का देकर भाग गया।

मां भावना ने चारपाई पर लेटे बेटे पर पड़ी हुई चादर को उठाया तो वह घायल मिला। उसके शरीर पर घाव थे, गुप्तांग काटा हुआ था। यह देखकर भावना ने चीख-पुकार मचाई। आवाज सुनकर मोहल्ले के लोग पहुंच गए। पिता भी सूचना पर आ गया। आनन-फानन घायल छोटू को मेडिकल कॉलेज लेकर आए। यहां से मेडीकल कॉलेज झांसी रेफर कर दिया। झांसी में चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।

दलित बच्चे ने पी लिया टीचर के बोतल से पानी, बदले में तोड़ दीं उसकी उंगलियां... केस दर्ज

आर्यावर्त संवाददाता

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में एक दलित छात्र को टीचर की बोतल से पानी पीना महंगा पड़ गया। टीचर ने गुस्से में छात्र को इतना पीटा कि उसके हाथ की उंगलियां टूट गईं। पुलिस ने शिकायत मिलने पर आरोपी छात्र के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोप है की टीचर ने दलित छात्र को स्कूल में कमरे में बंदकर पीटा। उसे जातिसूचक गालियां दी गईं। पीड़ति छात्र के परिजनों के मुताबिक, टीचर की पिटाई से उसके हाथ की दो उंगलियां टूटी हैं।

पीड़ति छात्र के परिजन आरोपी टीचर के खिलाफ कार्रवाई के लिए एसपी के पास पहुंचे और उन्हें घटना से अवगत कराया। एसपी के निर्देश पर पुलिस ने आरोपी टीचर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मामला मैनपुरी जिले के किशनी थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव हरीपुर स्थित नरेंद्र प्रताप सिंह मेमोरियल उच्चतर

माध्यमिक विद्यालय का है।

टीचर की बोतल से पी लिया पानी

जानकारी के मुताबिक, स्कूल में गांव कैथाली निवासी दलित दशरथ सिंह का बेटा 12वीं का छात्र है। आरोप है कि 29 मार्च को वह पढ़ने के लिए स्कूल गया था। इस बीच गर्मी लगने पर उसे प्यास लगी। क्लास में टेबल पर पानी की बोतल रखी थी। उसने बोतल उठाकर उसमें भरा पानी पी लिया। वो बोतल टीचर मंगल सिंह की थी। जब टीचर ने छात्र द्वारा बोतल से पानी पीते देखा तो वह गुस्से में लाल हो गया। उसने छात्र को क्लास रूम में बंद कर दिया।

जमकर की पिटाई, टूट गईं उंगलियां

आरोप है कि टीचर गुस्से में छात्र को खींचते हुए क्लास रूम में ले गया। उसने वहां उसकी डंडे से जमकर पिटाई लगाई। इस बीच छात्र दर्द से चीखता रहा लेकिन टीचर की कोई रहम नहीं आया। उसके बाद छात्र करहाता हुआ घर पहुंचा। उसने अपने परिजनों को पूरी घटना के बारे में बताया। बेटे के चोट देख परिजन उसे अस्पताल लेकर गए। जांच में पता चला कि उसके हाथ की दो उंगलियां टूट गई हैं। नाराज परिजन छात्र को लेकर एसपी के पास पहुंचे। उन्होंने उनसे शिकायत की। एसपी ने आरोपी टीचर के खिलाफ केस दर्ज करने के निर्देश दिए।

जनपद सिंचाई बन्धु की बैठक 08 अप्रैल को

बहराइच। सदस्य सचिव एवं अधि.अभि. स.न.ख.-पंचम बहराइच ने बताया कि शासन द्वारा नामित उपाध्यक्ष जनपद सिंचाई बन्धु राघवेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में जनपद सिंचाई बन्धु की बैठक 08 अप्रैल 2025 को पूर्वान्ह 11:00 बजे से कल्पीपारा कालोनी स्थित सिंचाई विभाग के आफीसर्स फील्ड हास्टल में आहूत की गयी है। सदस्य सचिव ने बताया कि जनपद सिंचाई बन्धु की बैठक में नहरों की समुचित सफाई, नहरों की कटिंग तथा टेल तक पानी की उपलब्धता, रोस्टर के अनुसार नहरों का संचालन, नहरों के कुलाबों की व्यवस्था, राजकीय नलकूपों का संचालन व बन्दी की समीक्षा, सिंचाई शुल्क निर्धारण, कृषकों से प्राप्त अन्य प्रकार की शिकायतों के निराकरण के साथ-साथ सिंचाई मंत्री द्वारा निर्देशित अन्य कार्यों पर चर्चा की जायेगी। सदस्य सचिव ने सभी सम्बन्धित से ससमय बैठक में प्रतिभाग करने की अपेक्षा की है।

रामनवमी तक तैयार हो जाएगा राम मंदिर, ऐसी है रामलला के जन्मोत्सव की तैयारी

आर्यावर्त संवाददाता

अयोध्या। दुनिया भर में मौजूद राम भक्तों के लिए राम नवमी के पावन अवसर पर अयोध्या से अत्यंत हर्षित करने वाली खबर आई है। अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण कार्य अपने अंतिम चरण में है। इसी क्रम में आज राम मंदिर के शिखर प्रतिष्ठा पूजन का शुभारंभ कर दिया गया। राम जन्मभूमि में मंदिर निर्माण कार्य जोरों पर है और इसके शिखर निर्माण की प्रक्रिया लगभग पूर्णता की ओर है।

इस महत्वपूर्ण धार्मिक अनुष्ठान का नेतृत्व राम मंदिर के पुरोहित आचार्य दुर्गा प्रसाद कर रहे हैं। उन्होंने TV9 भारतवर्ष से बातचीत में बताया कि 11 विद्वान ब्राह्मणों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ राम मंदिर के शिखर प्रतिष्ठा का पूजन आरंभ किया गया है। राम नवमी के

शुभ अवसर पर इस पूजन का आरंभ होना समस्त राम भक्तों के लिए अत्यंत मंगलकारी और हर्ष का विषय है।

अंतिम चरण में राम मंदिर निर्माण

राम मंदिर निर्माण की प्रक्रिया तेजी से अपने पूर्ण स्वरूप की ओर बढ़ रही है। भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने बताया था कि मंदिर के शिखर पर लगाने के लिए मात्र पांच लेयर पत्थर शेष रह गए थे, और अब अंतिम पूजन के साथ यह प्रक्रिया पूर्ण होने जा रही है। इस बार राम लला का जन्मोत्सव पूर्ण निर्मित मंदिर में मनाया जाएगा, जो सभी भक्तों के लिए एक ऐतिहासिक क्षण होगा।

22 जनवरी 2024 को विराजमान हुए थे राम लला

22 जनवरी 2024 को भगवान राम लला का भव्य महल बनकर तैयार हुआ था और शुभ मुहूर्त में उन्हें उनकी जन्मभूमि पर प्रतिष्ठित किया गया था। हालांकि मंदिर परिसर का पूर्ण निर्माण कार्य दिसंबर 2025 तक चलेगा, परंतु मुख्य मंदिर का निर्माण अब लगभग पूर्ण हो चुका है। शिखर प्रतिष्ठा पूजन के साथ ही मंदिर निर्माण की महत्वपूर्ण प्रक्रिया पूर्ण हो जाएगी। भवन निर्माण समिति 2025 तक अपने दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर के निर्माण को पूरी तरह संपन्न करेगी।

राम भक्तों के लिए यह एक ऐतिहासिक और अत्यंत हर्षोल्लास से भरा क्षण है। अयोध्या नगरी इस समय भक्ति और उल्लास से सराबोर है, और राम नवमी के शुभ अवसर पर यह शुभ समाचार भक्तों के हृदय को प्रफुल्लित कर रहा है।

2 अभियुक्त गिरफ्तार, 5 माह के नवजात शिशु को 3 घण्टे के अन्दर सकुशल बरामद

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। थाना देवा क्षेत्रान्तर्गत स्थित हाजी वारिस अली शाह दरगाह परिसर से दिनांक-31/01.04.2025 की रात्रि 5 माह के नवजात बच्चे के चोरी हो जाने के सम्बन्ध में सूचना प्राप्त हुई। उक्त सूचना पर थाना देवा में मु0अ0सं0 199/2025 धारा 137(2) बीएनएस पंजीकृत किया गया।

थाना देवा पुलिस टीम द्वारा मैनुअल इंटेलीजेन्स, डिजिटल डेटा व सीसीटीवी कैमरा की मदद से त्वरित कार्यवाही करते हुए नवजात बच्चे को 03 घण्टे के अन्दर सकुशल बरामद किया गया एवं अभियुक्तगण 01. हसबुन शेख पत्नी अकबर अली व 2. अकबर अली पुत्र शेख गयासुद्दीन निवासीगण डुमरिया थाना उचकागांव जनपद गोपालगंज (बिहार) हालपता कल्याणपुर थाना गुड़म्बा जनपद लखनऊ को रेलवे स्टेशन माल गोदाम रोड, बाराबंकी के पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तगण जनपद लखनऊ के थाना गुड़म्बा क्षेत्रान्तर्गत कल्याणपुर में किराये के कमरे में रहते हैं। अभियुक्तगण द्वारा उक्त बच्चा दिनांक 01/02.04.2025 की रात्रि को कस्बा देवा स्थित हाजी वारिस अली शाह दरगाह परिसर में सो रही महिला के बगल से चुरा लिया था तथा अभियुक्तगण द्वारा चोरी किया गया बच्चा सऊदी अरब में अधिक कीमत पर बेंचने की योजना थी।

एक साल में कितने हजार करोड़ की शराब गटक गए यूपी वाले? आंकड़े देख खुली रह जाएंगी आंखें

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बीते साल जमकर जाम छलकाए गए। शराब के शौकीन लोगों ने रिकॉर्ड तोड़ दिया। UP के आबकारी विभाग की माने तो वित्तीय वर्ष 2024-25 के आंकड़ों के मुताबिक, यूपी वाले 52 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की शराब गटक गए। इस वर्ष विभाग को 52297। 08 करोड़ का राजस्व मिला है, जो पिछले वर्ष से 14। 76 फीसदी ज्यादा है। माना जा रहा है किअवैध शराब पर अंकुश से यह मुनाफा बढ़ा है।

उत्तर प्रदेश में वित्तीय वर्ष 2024-25 में शराब की बिक्री से 52297। 08 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 14। 76% अधिक है। यह बढ़ोतरी अवैध शराब पर प्रभावी नियंत्रण और नई आबकारी नीति के कारण मानी जा रही है। नई नीति के तहत अंग्रेजी शराब और बीयर एक ही दुकान पर बेची जाएंगी, जिससे खुदरा

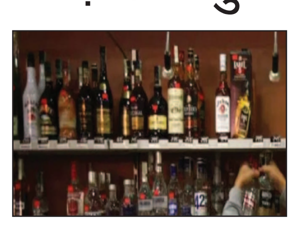

घनत्व में वृद्धि होगी। सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष में 55,000 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व का लक्ष्य रखा है।

आबकारी विभाग को मिला 52297। 08 रुपये करोड़ का राजस्व

वित्तीय वर्ष 2024-25 में शराब की बिक्री से हुए रिकॉर्ड राजस्व को अवैध शराब पर प्रभावी अंकुश लगाना बताया जा रहा है। प्रदेश के आबकारी विभाग ने राजस्व लक्ष्य में अब तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। वित्तीय वर्ष 2024-25 में आबकारी विभाग को 52297। 08 करोड़ का राजस्व मिला। आबकारी आयुक्त डॉ। आदर्श सिंह के मुताबिक, वर्ष 2022-23 में 41,252। 24 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था, जो वर्ष 2023-24 में 4,318। 23 करोड़ रुपये यानि 10। 47 फीसदी अधिक हुआ। वित्तीय वर्ष 2024-25 में राजस्व बढ़ोतरी की दर 14। 76 प्रतिशत रही, जो पिछले वर्ष से 10। 47 प्रतिशत से अधिक है।

एक ही दुकान पर मिलेगी अंग्रेजी शराब और बियर

उन्होंने बताया कि बीते वर्ष जिस तरह से आबकारी विभाग ने अभियान चलाकर अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई की उससे किसी भी तरह की कोई अप्रिय घटना शराब के कारण नहीं हुई। उन्होंने बताया कि नई आबकारी नीति के तहत अंग्रेजी शराब और बियर एक ही दुकान पर बेची जाएंगी। इसके अलावा सरकार ने कम्पोज़िट दुकानों को खोलने का भी फैसला किया है।

जेल में रामायण पढ़ रही मुस्कान, 14 दिन बाद साहिल से हुई मुलाकात, नजरें मिलीं पर नहीं हो पाई बात

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में पति सौरभ राजपूत की बेरहमी से हत्या करने वाली पत्नी मुस्कान जेल में रामायण पढ़ रही है। 14 दिन से जेल में बंद मुस्कान हर समय बेचैन रहती है और रामायण पढ़कर अपनी बेचैनी को दूर करने की कोशिश कर रही है। 14 दिन की न्यायिक हिरासत पूरा होने पर बुधवार को उसे वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया गया। उसके साथ ही प्रेमी साहिल की भी पेशी हुई। इस दौरान दोनों करीब ढाई मिनट तक एक दूसरे के सामने रहे। इस दौरान इन दोनों के बीच कुछ बात तो नहीं हुई, लेकिन पूरे समय तक दोनों की नजरें एक दूसरे पर ही टिकी रहीं।

पेशी के दौरान कोर्ट ने इन दोनों को वापस 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इसके बाद मुस्कान को महिला बैरक में और साहिल को पुरुष बैरक में भेज दिया गया। अब इन्हें दोबारा 15 अप्रैल को कोर्ट में पेश किया जाएगा। बता दें कि हाल ही में मेरठ के सांसद और रामायण सीरियल में राम का किरदार निभा चुके अभिनेता मेरठ जेल में आए थे। इस दौरान उन्होंने सभी कैदियों को श्रीराम चरित मानस की प्रतियां भेंट की थी। जेल प्रबंधन के मुताबिक उस दिन से ही देखा जा रहा है कि अपने बैरक में बैठकर मुस्कान हर समय रामायण ही पढ़ती नजर आ रही है।

नजरों से हुई साहिल-मुस्कान में बात

जेल अधिकारियों के मुताबिक बुधवार को मुस्कान और साहिल की न्यायिक अवधि पूरी हो गई थी। ऐसे में इन्हें वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया गया। इसके लिए दोनों को एक ही कमरे में भारी सुरक्षा के बीच आसपास बैठाया गया था। दोनों बीते 14 दिन में पहली बार आमने सामने हुए थ्रे। इस दौरान दोनों के बीच कोई बातचीत तो नहीं हुई, लेकिन एक दूसरे को देख दोनों भावुक हो गए। इस कमरे में दोनों करीब ढाई मिनट तक रहे और इस दौरान वह एक दूसरे को ही निहारते रह गए।

मुस्कान ने देखा साहिल का नया लुक

गिरफ्तारी से पहले साहिल के दो फीट लंबे बाल थे। वह जूड़ा बनाता था, लेकिन बुधवार को जब वह मुस्कान के सामने आया तो उसके बाल छोटे नजर आए। चेहरा भी साफ सुथरा था। उसका यह नया लुक देखकर मुस्कान हैरान रह गई। दोनों की नजरें कुछ पलों के लिए ठहर सी गईं। अधिकारियों के मुताबिक दोनों ने आपस में कोई बात तो नहीं की, लेकिन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान जज के द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब दिया। पेशी के दौरान जेल अधीक्षक वीरेश राज शर्मा और सुरक्षा अधिकारी कमरे में मौजूद रहे। इनके अलावा मुस्कान की पैरवी के लिए नियुक्त सरकारी वकील रेखा जैन के अलावा अन्य वकील भी ऑनलाइन जुड़े थे।

मुस्कान ने किया था पति पर पहला वार

बता दें कि 3 मार्च की रात मुस्कान ने अपने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर अपने पति सौरभ राजपूत की हत्या कर दी थी। मुस्कान ने पहले अपने पति को नशीला पदार्थ खिलाकर बेहोश किया और चाकू से खुद पहला वार उसके सीने पर किया। इससे सौरभ का हार्ट दो हिस्सों में कट गया था। इसके बाद साहिल के साथ मिलकर उसने शव के 15 टुकड़े किए थे और फिर ड्रम में भरकर सीमेंट से पैक कर दिया था। अगले दिन वह साहिल के साथ हिमाचल प्रदेश घूमने चली गई और 17 मार् को वापस मेरठ लौटी थी। वहीं 18 मार्च को वारदात का खुलासा होने के बाद पुलिस ने दोनों को अरेस्ट कर लिया था।

अंबेडकर का पूरा नाम इस्तेमाल किया जाए... गाजियाबाद में यूपी बीजेपी की समन्वय बैठक में क्या तय हुआ?

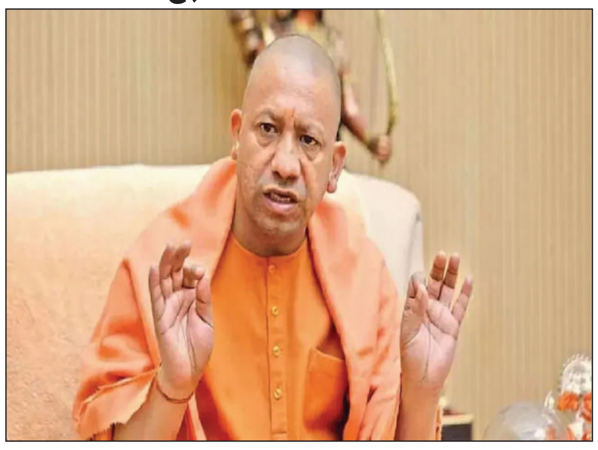

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। यूपी बीजेपी की आज गाजियाबाद में समन्वय बैठक हुई। इस बैठक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा स्थानीय और क्षेत्रीय पदाधिकारी के साथ-साथ भाजपा उत्तर प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, 6 राष्ट्रीय पदाधिकारी और क्षेत्रीय प्रचारक भी मौजूद रहे। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, बैठक में कुल 228 लोग मौजूद रहे।

मीटिंग में यूपी सीएम ने अपनी सरकार की तमाम योजनाओं और काम काज का ब्यौरा दिया और महत्वपूर्ण उपलब्धियां भी गिनाई जिनमें कुंभ मेले की व्यवस्थाएं, कानून-व्यवस्था, और आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की गई। खासकर 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती को लेकर गहन विचार विमर्श हुआ।

बैठक में संघ ने दिए अहम सुझाव

संघ ने बैठक में एक अहम सुझाव दिया कि अंबेडकर का पूरा नाम 'भीमराव रामजी अंबेडकर' ही प्रयोग में लाया जाए, क्योंकि 'रामजी' शब्द को षड्यंत्र के तहत उनके नाम से हटा दिया गया था। संघ का कहना है कि अंबेडकर ने संविधान पर अपने पूरे नाम से हस्ताक्षर किए थे, इसलिए उनका पूरा नाम ही इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

इसके अलावा, बैठक में यह भी चर्चा हुई कि अंबेडकर के नाम के पहले 'आदरणीय', 'परम आदरणीय', 'पूजनीय' जैसे शब्दों का इस्तेमाल भी किया जाना चाहिए। संघ ने यह सवाल भी उठाया कि अंबेडकर की तस्वीरों में हमेशा नीला रंग क्यों दिखाया जाता है और क्या अन्य रंगों का उपयोग संभव नहीं है? बैठक में इस पर भी विचार किया गया कि अंबेडकर की तस्वीरों और उनके चित्रों में विविधता लाई जाए।

अंबेडकर जयंती धूमधाम से मनाने का प्लान

बैठक के दौरान यह भी फैसला लिया गया कि 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती पूरे प्रदेश भर में धूमधाम से मनाई जाएगी, और इस बार कार्यक्रमों में अंबेडकर की विविध छवियों और उनके पूरे नाम के साथ ही उनके योगदान को सम्मानित किया जाएगा। इस बैठक में संघ के राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर के कई प्रमुख पदाधिकारी शामिल हुए, जिनमें 6 राष्ट्रीय और 50 प्रदेश स्तर के संघ के पदाधिकारी शामिल थे। बैठक में 36 अनुषांगिक संगठनों के 2-3 प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

संदिग्ध हालत आग लगने से गेहूं की फसल जली, किसानों में मचा हड़कंप

पूरनपुर,पीलीभीत। गेहूं की फसल खेतों में पककर तैयार हो गई है। हवा चलने से अब आग की घटनाएं किसानों को परेशान करने लगी हैं। अचानक संदिग्ध परिस्थितियों में आग लगने से किसानों का खेत में खड़ा गेहूं जल गया। जानकारी लगने के बाद गांव में अफरा तफरी मच गई। ग्रामीणों ने निजी संसाधन से आग पर काबू पाया है। पूरनपुर और कलीनगर तहसील क्षेत्र में फायर स्टेशन न होने से आग की घटनाएं पर काबू करने में लोगों के पसीना छूट है।पूरनपुर तहसील क्षेत्र के गांव प्रसादपुर के पास में स्थित गेहूं के खेत में आग लग गई। यह देख किसानों में हड़कंप मच गया। किसानों ने आग बुझाने का प्रयास किया गया। बताया जा रहा है कि रम्पुरा फकीरे के रहने वाले रामशरण पुत्र राम मूर्ति का लगभग दो एकड़ गेहूं की फसल जल गई। वही गांव के रहने वाले भजनलाल की भी लगभग दो बीघे गेहूं की फसल जल गई।

मेंटल हेल्थ से लेकर शुगर कंट्रोल के लिए जरूरी है ये पोषक तत्व, क्या आपके आहार में है इसकी मात्रा?

मैग्नीशियम एक आवश्यक खनिज है जो मांसपेशियों और तंत्रिकाओं को स्वस्थ रखने, हड्डियों की मजबूती और रक्त शर्करा के स्तर को कंट्रोल करने के लिए आवश्यक है। यदि आपको लंबे समय तक अपने आहार से पर्याप्त मैग्नीशियम नहीं मिलता है, तो यह दिल का दौरा, स्ट्रोक, मधुमेह और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी स्वास्थ्य समस्याओं के खतरे को बढ़ा सकती है।

शरीर के सभी अंगों के बेहतर तरीके से काम करते रहने के लिए पोषक तत्वों से भरपूर आहार की आवश्यकता होती है। पोषक तत्वों की चर्चा में प्रोटीन, आयरन और कुछ प्रकार के विटामिन्स की जरूरतों पर सबसे ज्यादा बात की जाती है। पर क्या आप जानते हैं कि पोटैशियम और मैग्नीशियम भी हमारी सेहत के लिए उसी तरह से जरूरी है। इस लेख में हम मैग्नीशियम की जरूरतों और इससे होने वाले स्वास्थ्य लाभ के बारे में बात कर रहे हैं।

मैग्नीशियम एक आवश्यक खनिज है जो मांसपेशियों और तंत्रिकाओं को स्वस्थ रखने, हड्डियों की मजबूती और रक्त शर्करा के स्तर को कंट्रोल करने के लिए आवश्यक है। यदि आपको लंबे समय तक अपने आहार से पर्याप्त मैग्नीशियम नहीं मिलता है, तो यह दिल का दौरा, स्ट्रोक, मधुमेह और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी स्वास्थ्य समस्याओं के खतरे को बढ़ा सकती है।

शरीर के लिए क्यों जरूरी है मैग्नीशियम?

आहार के माध्यम से मैग्नीशियम प्राप्त करना शरीर को स्वस्थ रखने के लिए बहुत आवश्यक माना जाता है। मानसिक और शारीरिक दोनों प्रकार की सेहत को ठीक रखने के लिए ये पोषक तत्व बहुत जरूरी है। मैग्नीशियम, शुगर के लेवल को कंट्रोल करने में मददगार है और हड्डियों को मजबूत बनाने में भी इसकी भूमिका मानी जाती है। मानसिक स्वास्थ्य को ठीक रखने तनाव को कम करने, चिंता और अवसाद के लक्षणों में सुधार करने में भी इस पोषक तत्व से लाभ मिलता है। रक्तचाप और नींद में सुधार करने के लिए भी इसके लाभ हैं।

डायबिटीज रोगियों के लिए जरूरी है ये मिनरल

मैग्नीशियम, कार्बोहाइड्रेट के मेटाबॉलिज्म और इंसुलिन स्राव के लिए आवश्यक है, यही कारण है कि इसे डायबिटीज के रोगियों के लिए आवश्यक माना जाता है। अध्ययनों की समीक्षा में पाया गया कि मैग्नीशियम सप्लीमेंट्स के माध्यम से तेजी से रक्त शर्करा के स्तर को कम करने में मदद मिल सकती है। प्लेसबो की तुलना में मैग्नीशियम सप्लीमेंट्स की मदद से इंसुलिन संवेदनशीलता में सुधार के प्रमाण मिले हैं।

मानसिक स्वास्थ्य विकारों को कम करने में लाभकारी

मैग्नीशियम आपके शरीर की तनाव प्रतिक्रिया में महत्वपूर्ण

भूमिका निभाता है। यदि आप पर्याप्त मात्रा में मैग्नीशियम नहीं ले रहे हैं, तो आपमें स्ट्रेस की दिक्कत हो सकती है। शोध से पता चलता है कि जो लोग अक्सर तनावग्रस्त रहते हैं, उनके रक्त में मैग्नीशियम का स्तर कम देखा गया है। चिंता और अवसाद जैसी स्वास्थ्य समस्याओं के लक्षणों में सुधार के लिए मैग्नीशियम सप्लीमेंट्स की सलाह दी जाती है।

आहार से कैसे प्राप्त करें ये मिनरल?

आहार विशेषज्ञ कहते हैं, मैग्नीशियम की दैनिक आवश्यकताओं की आसानी से पूर्ति की जा सकती है। डॉर्क चॉकलेट, एवोकाडो, सूखे मेवे, टोफू, सीड्स और साबुत अनाज से इस पोषक तत्व की पूर्ति हो सकती है। कद्दू के बीज, बादाम, काजू के सेवन से भी मैग्नीशियम मिल सकता है। रोजाना एक मुट्ठी नट्स का सेवन आपके शरीर को स्वस्थ रखने और पोषक तत्वों की पूर्ति करने में आपके लिए लाभकारी है।

चेहरे को चमकाएंगे अनार से बने ये फेसपैक

त्योहारों का सीजन शुरू हो गया है। इसके बाद शादियों की शुरुआत हो जाएगी। ऐसे में अपनी त्वचा का ध्यान रखना बेहद जरूरी हो जाता है। लोग अपनी त्वचा का ध्यान रखने के लिए तरह-तरह के स्किन ट्रीटमेंट लेते हैं लेकिन बहुत से लोगों को स्किन ट्रीटमेंट लेने में डर लगता है। ऐसे लोग ज्यादातर घरेलू नुस्खे इस्तेमाल करते हैं। इसी के चलते आज हम आपको घर पर ही अनार का फेसपैक बनाने का तरीका बताने जा रहे हैं। ताकि आप भी इसके इस्तेमाल से दमकती त्वचा पा सकें।

दरअसल, अनार में विटामिन-बी, विटामिन-सी, पोटैशियम,मैग्नीशियम, फास्फोरस, सेलेनियम, जिंक, आयरन जैसे तत्व पाए जाते हैं, जो त्वचा को चमकाने में मदद करते हैं। इसके अलावा अनार में एंटीऑक्सीडेंट और इंफ्लेमेटरी तत्व भी पाए जाते हैं। इसका फेसपैक बनाना बेहद आसान है, जिसे आप आसानी से घर पर बना सकते हैं। तो आइए देर ना करते हुए आपको अनार के फेसपैक बनाने का आसान तरीका बताते हैं।

बनाएं अनार और पपीते का फेसपैस

अनार और पपीते का पेस्ट बनाकर इसे चेहरे पर आधे घंटे के लिए लगाएं। इसके बाद इसे सादे पानी से धो लें। हफ्ते में दो बार इस पैक को लगाने से आपके चेहरे के दाग-धब्बे दूर हो जाएंगे। इससे आपकी स्किन खिली-खिली भी रहेगी।

मुल्तानी मिट्टी और अनार

अक्सर लोग मुल्तानी मिट्टी का इस्तेमाल क्लींजर की तरह करते हैं। ऐसे में आप अनार के साथ इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके इस्तेमाल के लिए अनार के रस में एक घंटे के मुल्तानी मिट्टी को भिगो कर रख दें। जब ये फूल जाए तो थोड़ा सा रस और मिलाकर इस पैक को चेहरे पर लगाएं। आधे घंटे के बाद चेहरे को धो दें।

अनार, कॉफी और एलोवेरा

इस पैक को बनाने के लिए आपको एक चम्मच एलोवेरा जेल में एक चम्मच कॉफी पाउडर और अनार का रस मिलाना है। इसके बाद इसमें थोड़ा सा शहद मिलाकर इसे अच्छे से मिक्स करें। कुछ समय के लिए इस पैक को चेहरे पर लगाएं और फिर चेहरा धो दें। इससे आपका चेहरा खिल उठेगा।

एवोकाडो और अनार

वैसे तो एवोकाडो काफी महंगा आता है, लेकिन अगर दमकती त्वचा पाना चाहते हैं, तो इसका इस्तेमाल अवश्य करें इसके लिए आपको बस एवोकाडो को मैश करके इसमें अनार का पेस्ट अच्छे से मिलाना है। इसे अपने चेहरे पर लगाकर आप ग्लोइंग त्वचा पा सकते हैं।

वायु प्रदूषण के लगातार बढ़ते खतरों से ऐसे रखें बच्चों को दूर

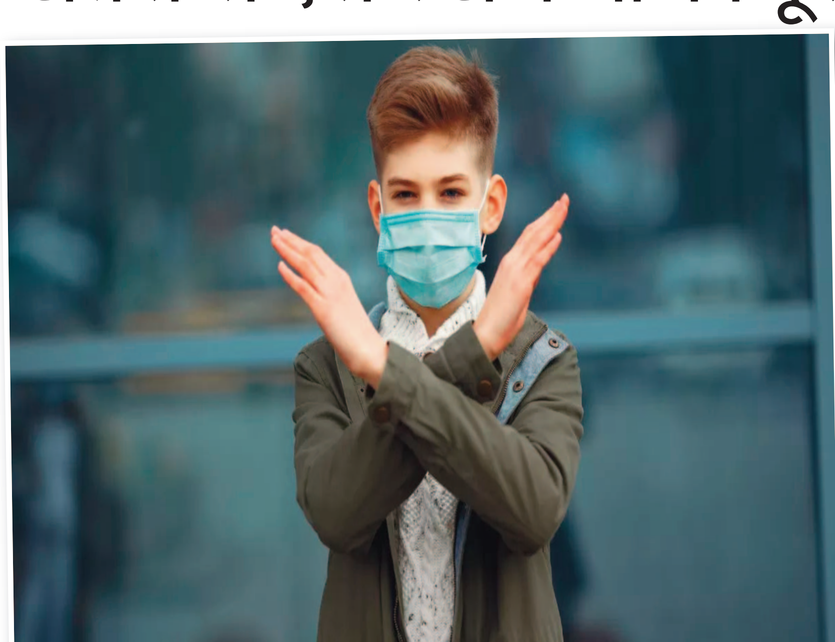

वायु प्रदूषण सेहत के लिए एक बड़ा खतरा बनते जा रहा है। इससे बड़े-बूढ़े ही नहीं बच्चे भी बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। उनकी ग्रोथ पर असर पड़ रहा है और तो और इसके चलते वो बचपन में ही कई और दूसरी बीमारियों का भी शिकार हो रहे हैं। वायु प्रदूषण के प्रति बच्चों की संवेदनशीलता कई कारणों से पैदा हो सकती है। उनके वायुमार्ग छोटे और कम विकसित होते हैं, जिससे वे हानिकारक प्रदूषकों के प्रति ज्यादा सेंसिटिव हो जाते हैं। इसके अलावा, बच्चे बड़ों की तुलना में ज्यादा तेजी से सांस लेते हैं, जिससे उनके द्वारा ली जाने वाली हवा की मात्रा और उनके संपर्क में आने वाले प्रदूषकों की मात्रा बढ़ जाती है। उनका डेवलप हो रहा इम्यून सिस्टम भी कम मजबूत होता है, जिससे उनमें ब्रीदिंग इन्फेक्शन और वायु प्रदूषण से जुड़ी अन्य हेल्थ प्रॉब्लम्स होने का खतरा ज्यादा होता है।

बच्चों को वायु प्रदूषण से बचाने के लिए ध्यान रखें ये बातें

1. बच्चों की बाहरी एक्टिविटीज थोड़ी कम कर दें या फिर ऐसा टाइम चुनें, जब वायु प्रदूषण का स्तर कम हो, जैसे शाम को।
2. व्यायाम करने या बाहर खेलने के लिए ऐसी जगहों को चुनें, जहां गाड़ियों की आवाजाही कम हो।
3. घर के अंदर की हवा को भी साफ और स्वच्छ बनाए रखना जरूरी है। इसके लिए घर में एयर प्यूरीफायर लगाएं। साथ ही उन इंडोर प्लांट्स को भी जगह दें, जो घर के अंदर की हवा को स्वच्छ बनाने में योगदान देते हैं।
4. तेज धूप हो, तो घर की खिड़कियां और दरवाजे कुछ देर खोलकर रखें। इससे घर में मौजूद हानिकारक कीटाणुओं का खात्मा होता है।
5. घर के अंदर धूम्रपान करना पूरी तरह से अवॉयड करें।
6. हेल्दी लाइफस्टाइल को बढ़ावा दें। रोजाना एक्सरसाइज करें। बाहर बहुत ज्यादा प्रदूषण है, तो घर के अंदर ही स्ट्रेचिंग, वेट ट्रेनिंग करें। फिजिकल एक्टिविटीज श्वसन प्रणाली को मजबूत बनाती है और ओवरऑल हेल्थ को सुधारती है।
7. इन सबके अलावा बैलेंस डाइट पर फोकस करें। फलों, सब्जियों और साबुत अनाज से भरपूर डाइट में शरीर के लिए कई जरूरी न्यूट्रिशन होते हैं, जो सासं से जुड़ी समस्याओं को दूर रखने में योगदान देते हैं।
8. बच्चों को वायु प्रदूषण से बचाने के लिए ये सारी प्लानिंग बहुत जरूरी है। इन चीज़ों पर ध्यान देकर प्रदूषण भरे माहौल से उन्हें काफी हद तक सुरक्षित रखा जा सकता है।

शादी-ब्याह में पहनने या फिर दुल्हन को गिफ्ट करने के लिए बेस्ट हैं ये खूबसूरत पायल

पायल, एंकलेट या पाजेब पैरों में पहनी जाने वाली ज्वैलरी है, जो पैरों की खूबसूरती में चार चांद लगा देती है। सोलह श्रृंगार में शामिल पायल को तो शादीशुदा महिलाएं रोजाना ही पहनती हैं। छन-छन करती पायल की आवाज कानों को अलग सी सुकून पहुंचाती है। चांदी की पायल सबसे ज्यादा पहनी जाती है, लेकिन बदलते फैशन और डिमांड को देखते हुए अब चांदी के अलावा सोने, जड़ाऊ, स्टोन जैसी कई पायलें मार्केट में देखने को मिल रही हैं। खास मौके पर महिलाएं सोने या और भी दूसरी फैंसी पायलों से साजो-श्रृंगार करती हैं। जिसे आप अपनी बजट के अनुसार चुन सकती हैं। वैसे अब प्लेटिनम की पायल भी ट्रेंड में है।

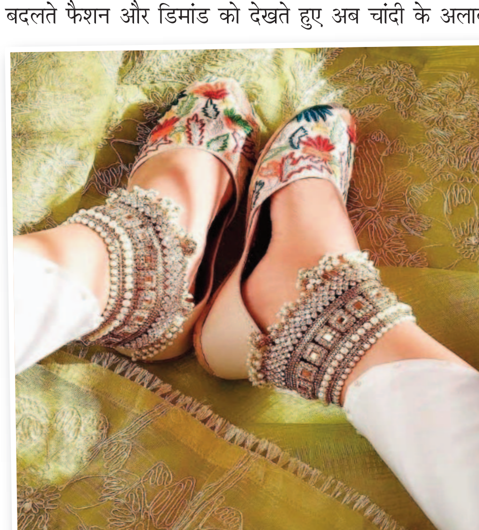

चांदी की पायल

इतने सारे ऑप्शन्स होने के बाद आज भी चांदी की पायल सबसे ज्यादा खरीदी और पसंद की जाती है। छोटे-छोटे घुंघरू लगे हुए ये पायल खूबसूरत भी दिखते हैं और इरीटेट भी नहीं करते। वैसे चांदी हमारी सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद होती है। चांदी की पायल को हर मौके पर कैरी किया जा सकता है।

गोल्ड प्लेटेड पायल

सोने की पायल लेने की सोच रही हैं, तो आपको बता दें कि ये पूरी तरह सोने की नहीं होती। वह गोल्ड प्लेटेड होती है और दिखने में बहुत ही खूबसूरत लगती है। छोटे-छोटे घुंघरुओं से सजे ये पायल बेहद सुंदर दिखते हैं।

मल्टी लेयर पायल

अगर आप उन महिलाओं में शामिल हैं, जिन्हें हैवी पायल पहनने की आदत होती है, तो इस बार हैवी पायल की जगह लेयर वाले पायल चुनें। जो दिखने में अलग भी लगेंगे और भारी भी नहीं होंगे। खास बात कि ऐसे पायल साड़ी हो, लहंगा, सलवार-सूट या फिर इंडो-वेस्टर्न ड्रेस, हर एक के साथ परफेक्टली मैच हो जाते हैं।

बारीक मोतियों वाली

अब बाजार में घुंघरू वाली पायलों के अलावा बारीक मोतियों वाली भी पायल मौजूद है। ये दिखने में यूनिक और खूबसूरत लगती है, जो आप इन्हें भी अपने ज्वैलरी कलेक्शन में शामिल कर सकती हैं।

जड़ाऊ पायल

इन्हें आप ट्रेडिशनल पायल या पाजेब भी कह सकते हैं, जो कभी आउटडेटेड नहीं होती। शादी-ब्याह में तो दुल्हनें इसी तरह का पायल पहनना पसंद करती हैं। ये चांदी की मोटी पायल होती है, जो पैरों में बिछिया के साथ और ज्यादा सुंदर दिखती है।

रंग-बिरंगी पायल

अब सिर्फ चांदी की सफेद पायलें या पीले रंग की सोने की पायलें ही बाजार में नहीं हैं। आजकल अलग-अलग रंगों और डिज़ाइन वाली पायलें भी डिमांड को देखते हुए बाजार में मिल रही हैं। ये रंग-बिरंगे पायलें लहंगा-चोली के साथ ही और दूसरे ओकेजनल ड्रेसेज में भी आपके लुक को आकर्षक बनाती हैं। इनमें चांदी और सोने के साथ-साथ प्लेटिनम और मोतियों का भी टच होता है। अगर आपको फेस्टिवल और वेडिंग सीजन में कुछ अलग ट्राई करना है या दुल्हन को गिफ्ट करना है, तो रंग-बिरंगी पायल सबसे अच्छा ऑप्शन है।

क्रेडिट कार्ड से बैंक कमा रहे पैसा, ऐसे होती है मोटी कमाई

अगर पर्स में पैसे नहीं होते हैं तब भी हम आसानी से क्रेडिट कार्ड के जरिये शॉपिंग कर सकते हैं। ऐसे में क्या आपने कभी सोचा है कि क्रेडिट कार्ड से बैंक और कंपनी कैसे पैसे कमाते हैं। बता दें कि ग्राहक की लापरवाही से कंपनी और बैंक को मुनाफा होता है। चलिए इस आर्टिकल में जानते हैं कि क्रेडिट कार्ड से बैंक या कंपनी को कैसे कमाई होती है।

पिछले कुछ वर्षों में क्रेडिट कार्ड यूजर्स में तेजी देखने को मिली है। अब भले ही पर्स में पैसा ना हो, लकिन फिर भी हम क्रेडिट कार्ड के जरिये शॉपिंग कर सकते हैं। आप क्रेडिट कार्ड के जरिये शॉपिंग के अलावा रेलवे-हवाई टिकट भी बुक कर सकते हैं।

क्रेडिट कार्ड से बैंक और क्रेडिट कार्ड कंपनी को काफी अच्छा इनकम होता है। कमाई के लिए बैंक और एनबीएफसी (NBFC) कार्ड ऑफर्स देते हैं। ऐसे में सवाल है कि क्रेडिट कार्ड के जरिये बैंक या क्रेडिट कार्ड कंपनी को कैसे कमाई होती है।

एनुअल फीस

कई बैंक ग्राहकों से क्रेडिट कार्ड पर सालाना फीस लेते हैं। कुछ बैंक यह फीस पहले ही ले लेते हैं। कई बैंक लिमिट से ज्यादा क्रेडिट कार्ड के इस्तेमाल पर सालाना फीस माफ कर देते हैं। ऐसे में कई बार ग्राहक क्रेडिट कार्ड का ज्यादा इस्तेमाल करते हैं। यह क्रेडिट कार्ड इश्यू करने वाले बैंक या कंपनी के हित में होता है।

कैश एडवान्स फीस

कई बार ग्राहक कैश विड्रॉ करने के लिए क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में क्रेडिट कार्ड की मदद से एटीएम से कैश निकालने पर कई बैंक कैश एडवान्स फीस चार्ज लेता है। यह चार्ज विड्रॉ कैश का 2 से 5 फीसदी होता है। बता दें कि यह चार्ज काफी ज्यादा होता है इस वजह से ग्राहक क्रेडिट कार्ड के जरिये कैश विड्रॉ करना पसंद नहीं करते हैं।

बैलेंस ट्रांसफर फीस

जब ग्राहक एक कार्ड के आउटस्टैंडिंग अमाउंट को दूसरे क्रेडिट कार्ड में ट्रांसफर करते हैं तो क्रेडिट कार्ड इसके लिए बैलेंस ट्रांसफर फीस लेता हैं। यह चार्ज 3 से 4 फीसदी तक का होता है। कई कंपनी या बैंक बैलेंस ट्रांसफर फीस को माफ कर देते हैं।

लेट फीस

अगर समय से बिल का भुगतान नहीं करते हैं तो हमें लेट फीस देनी होती है। लेट फीस के भुगतान का असर कस्टमर के क्रेडिट स्कोर पर भी पड़ता है। इस वजह से एक्सपर्ट सलाह देते हैं कि ग्राहक को कम से कम मिनिमम चार्ज का भुगतान करना होता है।

फाइनेंस चार्ज

क्रेडिट कार्ड कंपनियां या बैंक फाइनेंस चार्ड लेते हैं। यह चार्ज कस्टमर के मिनिमम चार्ज चुकाने की स्थिति में क्रेडिट कार्ड बाकी अमाउंट पर इंटरेस्ट रे तौर पर लेता है। इस तरह के चार्ज से बचने के लिए आपको क्रेडिट कार्ड का बिल समय से चुकाना चाहिए।

आज से बदल जाएंगे इनकम टैक्स के कई नियम, 12 लाख रुपये तक की रकम होगी टैक्स फ्री

नई दिल्ली, एजेंसी। नया वित्त वर्ष आज से शुरू हो रहा है। इसके साथ ही इनकम टैक्स से जुड़े कई नियम बदलने जा रहे हैं। आम बजट 2025 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कई अहम घोषणाएं कीं, जो 1 अप्रैल से लागू हो रही हैं, जिसका सीधा असर नौकरीपेशा लोगों की जेब पर पड़ेगा। इन नए नियमों में आयकर में अधिक छूट और टीडीएस नियमों में बदलाव शामिल हैं।

बजट में वित्त मंत्री द्वारा घोषित नई कर व्यवस्था के तहत आयकर में बढ़ी हुई छूट 1 अप्रैल से लागू हो रही है। अब 12 लाख रुपये तक की सालाना आय वाले लोग आयकर छूट के दायरे में आएंगे। पहले यह आंकड़ा 7 लाख रुपये था।

इसके अलावा अगर वेतनभोगियों को दी जाने वाली 75,000 रुपये की मानक कटौती को जोड़ दिया जाए तो आयकर छूट बढ़कर 12.75 लाख रुपये हो जाती है। हालांकि आयकर छूट में पूंजीगत लाभ को शामिल नहीं किया गया है। इस पर अलग से टैक्स लगेगा। सरकार ने नई कर व्यवस्था के तहत नए टैक्स स्लैब भी पेश किए हैं, जबकि पुरानी कर व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं किया गया है। अब नई कर व्यवस्था के तहत 4 लाख रुपये तक की आय कर मुक्त होगी, जबकि 4 लाख रुपये से 8 लाख रुपये तक की आय पर 5 फीसदी टैक्स लगेगा। जैसे-जैसे आय बढ़ेगी, कर की दरें धीरे-धीरे बढ़ेंगी और 24 लाख रुपये से अधिक की आय पर यह 30 फीसदी तक पहुंच जाएगी।

केंद्र सरकार ने बजट में धारा 87ए के तहत कर छूट को 25,000 रुपये से बढ़ाकर 60,000 रुपये कर दिया है, जिससे नई कर व्यवस्था में 12 लाख रुपये तक की आय कर-मुक्त हो जाएगी।

बैंक जमा पर मिलने वाले ब्याज पर टीडीएस कटौती की सीमा 40,000 रुपये से बढ़ाकर 50,000 रुपये कर दी गई है। इसका मतलब है कि अब बैंक जमा पर मिलने वाली 50,000 रुपये तक की राशि पर कोई टीडीएस नहीं काटा जाएगा।

फिक्स्ड डिपॉजिट निवेशकों के लिए खुशखबरी! आज से एफडी ब्याज आय पर टीडीएस सीमा बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। फिक्स्ड डिपॉजिट निवेशकों को संशोधित स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) नियमों से लाभ होगा, जो आज से लागू हो गई हैं। आज से निवेशकों के लिए एफडी ब्याज दरों पर टीडीएस छूट की सीमा अधिक होगी। अब तक फिक्स्ड डिपॉजिट योजनाओं से मिले ब्याज पर टीडीएस में कटौती की जाती थी, अगर यह 40,000 रुपये (वरिष्ठ नागरिकों के लिए 50,000 रुपये) से अधिक था। लेकिन केंद्रीय बजट 2025 में एफडी योजनाओं पर टीडीएस छूट की सीमा बढ़ा दी गई।

एफडी योजनाओं पर टीडीएस छूट की सीमा व्यक्तियों के लिए 40,000 रुपये से बढ़ाकर 50,000 रुपये कर दी गई है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए कर कटौती की सीमा 50,000 रुपये से बढ़ाकर 1,00,000 रुपये कर दी गई है। एफडी की मूल राशि से कोई टीडीएस नहीं काटा जाता, चाहे उसकी राशि कितनी भी हो। हालांकि, अगर कोई व्यक्ति अपनी एफडी की मूल राशि पर 50,000 रुपये से अधिक ब्याज कमाता है, तो ब्याज टैक्स कटौती के अधीन होगा।

बैंक 50,000 रुपये (वरिष्ठ नागरिकों के लिए 1 लाख रुपये) से अधिक की एफडी ब्याज पर 10 फीसदी की फ्लैट दर से टीडीएस काटते हैं। अगर निवेशक ने पैन कार्ड डिटेल्स देता है। अगर व्यक्ति ने कोई पैन कार्ड डिटेल्स नहीं दिया है, तो एफडी ब्याज आय पर टीडीएस बढ़कर 20 फीसदी हो जाता है। ज्वाइंट एफडी के लिए प्राथमिक निवेशक के नाम पर टीडीएस काटा जाता है। टैक्स बचत एफडी निवेश, जो आम तौर पर 5 5 साल की अवधि के लिए किया जाता है। नियमों के आधार पर कर कटौती को भी आकर्षित करता है।

टीडीएस राशि व्यक्ति की कुल आय में जोड़ी जाएगी, और यदि यह अभी भी कर योग्य सीमा से कम है, तो काटे गए टीडीएस का दावा किया जा सकता है और इसकी रीइंबर्समेंट की जाएगी। एफडी योजनाओं के अलावा, बढ़ी हुई टीडीएस सीमा सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजनाओं में निवेश से होने वाली आय पर भी लागू होती है।

परिवार के 170 सदस्यों को खोया... म्यांमार में मची तबाही का खौफनाक मंजर

वॉशिंगटन, एजेंसी। वो रमजान के महीने का आखिरी जुमा था, जब म्यांमार में भयानक भूंकप ने दस्तक दी, मुसलमान दोपहर के समय जुमा की नमाज पढ़ने के लिए मस्जिद जा रहे थे, कुछ लोग मस्जिदों में कतारों में खड़े नमाज अदा कर रहे थे। जब तेज झटके सभी ने महसूस किए, सभी कांपने लगे और कुछ ही सेकेंड में सभी की दुनिया पूरी तरह से हिल गई। जैसे ही भूकंप थमा, तब तक कई मस्जिदें क्षतिग्रस्त हो गई, कई बिल्डिंग ढह गई और पूरे देश में तबाही मच गई। इस भूकंप में एक शख्स ने अपने परिवार के एक-दो नहीं बल्कि 170 लोगों को खो दिया।

शुक्रवार को सागांग में आजान की आवाज आई, सैकड़ों मुसलमान सेंट्रल म्यांमार की 5 मस्जिदों में जमा हुए। फिर, स्थानीय समयानुसार 12:51 (06:21 GMT) पर भयानक भूकंप ने देश में दस्तक दी। इन तेज झटकों में तीन मस्जिदें ढह गईं, जिनमें सबसे बड़ी मस्जिद मायोमा भी शामिल थी, मस्जिद के अंदर नमाज अदा कर रहे कई लोगों की मौत हो गई।

परिवार के 170 लोगों को खोया

मायोमा मस्जिद से सैकड़ों किलोमीटर दूर, मायोमा के पूर्व इमाम सो नेय ऊ ने थाई सीमावर्ती शहर माए सोत में भूकंप के झटके महसूस किए। उन्हें बाद में जानकारी मिली की इस जलजले ने उनके जीवन में भारी तबाही मचाई है। उन्हें पता लगा कि उनके 170 रिश्तेदारों ने इस भूकंप में दम तोड़ दिया है।

उन्होंने बताया, मैं उन सभी लोगों के बारे में सोचता हूं जिन्होंने इस भूकंप में अपनी जान गंवाई और पीड़ितों के बच्चों के बारे में, उन में से कई बच्चे काफी छोटे हैं और वो इस छोटी उम्र में अपने माता-पिता को खो चुके हैं। वो अपने आंसू पर काबू नहीं रख पा रहे थे और अपनों को खोने का दर्द उनकी आंखों से साफ छलक रहा था।

म्यांमार में मची तबाही

म्यांमार के शहर सागांग और मांडले के पास आए भूकंप में 2,700 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। साथ ही मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है, अभी भी बचाव अभियान जारी है। सागांग प्राचीन बौद्ध मंदिरों के लिए जाना जाता है, यहां पर बड़ी संख्या में मुस्लिम आबादी भी है। सोमवार को देश के नेता मिन आंग ह्लाइंग ने बताया कि अनुमानित 500 मुसलमानों की मस्जिदों में नमाज अदा करते समय मौत हो गई।

सागांग में प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि मायोमा स्ट्रीट, जिस सड़क पर मस्जिदें थीं, वो शहर में सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। सड़क पर कई घर भी ढह गए हैं। घर ढहने के बाद अब लोग सड़कों पर रहने के लिए मजबूर हो गए हैं। सैकड़ों लोग सड़क के किनारे रह रहे हैं। साथ ही जिनके घर बच भी गए हैं वो भूकंप के झटकों से इतने ज्यादा दहशत में आ गए हैं कि वो घरों में वापस जाने से भी डर रहे हैं। मायोमा मस्जिद में 60 से ज्यादा लोग मलबे के नीचे दब कर मर गए हैं। जबकि मायोडॉ और मोएक्या मस्जिदों में कई लोगों की मौत हो गई थी।

म्यांमार में 28 मार्च को भयानक भूकंप ने दस्तक दी, इसकी तीव्रता 7.7 थी। जोकि काफी ज्यादा होता है और इस भूकंप ने इतनी ही ज्यादा तबाही मचाई। जहां मृतकों का आंकड़ा अब तक 2 हजार से ज्यादा हो गया है। वहीं, अभी भी बचाव अभियान जारी है और मौत का आंकड़ा बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

ड्रग्स, दोस्ती और रेप...लंदन में इस सीरियल रेपिस्ट ने चीन की 33 लड़कियों को कैसे फंसाया?

लंदन। भरोसे का जाल बिछाया, नशे का इस्तेमाल किया और फिर हैवानियत पर उतर आया, ये कहानी सिर्फ एक अपराधी की नहीं, बल्कि उन दर्जनों महिलाओं की भी है जो उसकी शिकार बनती रहीं, मगर चुप रहीं। लंदन में हाल ही में दोषी करार दिए गए चीनी पीएचडी छात्र झेनहाओ झोउ के अपराधों की परतें खुलने लगी हैं। पहले 10, फिर 23 और अब पुलिस के हाथ ऐसे सबूत लगे हैं, जो इशारा करते हैं कि उसके शिकारों की संख्या 50 से भी ज्यादा हो सकती है। कुछ पीड़िताएं चीन में फंसीं, तो कुछ लंदन में। अब जब उसका असली चेहरा दुनिया के सामने आया है, तो जांच एजेंसियां और भी बड़े खुलासों की ओर बढ़ रही हैं। झोउ की हरकतें सिर्फ लंदन तक सीमित नहीं थीं, बल्कि चीन तक फैली हुई थीं। बीबीसी वर्ल्ड सर्विस से बातचीत में दो महिलाओं ने अपनी आपबीती साझा की। एक महिला ने बताया कि झोउ ने उसे चीन में उसकी ही जन्मभूमि में ड्रग्स देकर हवस का शिकार बनाया। वहीं, दूसरी महिला ने बताया कि लंदन में झोउ ने उसे बेहोश कर दिया और जब वह होश में आई तो उसने खुद को झोउ के चंगुल में फंसा पाया। न सिर्फ उसका शोषण किया जा चुका था बल्कि उसकी वीडियो भी बनाई गई थी। इस केस में चौंकाने वाली बात यह है कि झोउ की घिनौनी हरकतों के बावजूद कई महिलाओं ने पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई। एक पीड़िता ने बताया कि 2021 में लंदन में झोउ ने उसके साथ दुष्कर्म किया, लेकिन उसे अंदाजा ही नहीं था कि वह इसे रिपोर्ट कर सकती है। वहीं, एक अन्य व्यक्ति ने बीबीसी को बताया कि झोउ ने उसे खुद यह बात कुबूल की थी कि वह पार्टियों में महिलाओं के ड्रिंक्स में नशीली दवाएं मिलाता था।

कुवैत में महिला के चक्कर में इस भारतीय ने कर दिया कांड, अब कर रहा मौत का इंतजार

कुवैत। मुस्लिम देश कुवैत में महिला के चक्कर में एक भारतीय शख्स मौत के करीब पहुंच गया है। दरअसल, एक भारतीय शख्स पर कुवैत में एक महिला की हत्या का आरोप लगा है। शख्स को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ कुवैती कानून के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

अरब टाइम्स के मुताबिक कुवैत के हव्वाली इलाके में गश्ती के दौरान पुलिस को एक हत्या के बारे में जानकारी मिली। यहां पर एक व्यक्ति ने चाकू से एक महिला की गला रेतकर हत्या कर दी। पुलिस ने पूछताछ के बाद एक भारतीय को उठाया, जिसने पूछताछ के बाद अपना अपराध कबूल लिया है।

पुलिस का कहना है कि आरोपी शख्स के पास से एक चाकू भी बरामद किया गया है। यह चाकू करीब 10 सेंटीमीटर लंबा है। आरोपी ने चाकू से ही महिला की गला रेतकर हत्या कर दी।

प्रेम प्रसंग एंगल से जांच कर रही पुलिस?

आरोपी भारतीय शख्स ने महिला की हत्या क्यों की, पुलिस इसकी जांच में जुट गई है। पुलिस इस एंगल से भी जांच करेगी क्या महिला से आरोपी शख्स का कोई प्रेम प्रसंग था?

कुवैत पुलिस ने मीडिया को बताया कि फॉरेंसिक टीम ने सारे सबूत जुटा लिए हैं। जल्द ही आरोपी शख्स के खिलाफ केस चलाया जाएगा।

कुवैत में निर्मम तरीके से हत्या करने पर मौत की सजा सुनाई जाती है। अगर आरोपी शख्स को दोषी पाया जाता है तो उसे मौत की सजा मिल सकती है।

कतर के जेलों में 100 से ज्यादा भारतीय बंद

अलग-अलग अपराध के आरोपों में कतर के जेल में 100 से ज्यादा भारतीय बंद हैं। यह आंकड़ा भारत सरकार ने लोकसभा में दिया है। सबसे ज्यादा भारतीय सऊदी अरब के जेलों में बंद हैं। यहां 2000 से ज्यादा भारतीय बंद हैं। इसके बाद यूएई के जेलों में भारतीय बंद हैं।

नेपाल के जेलों में करीब 1300 भारतीय बंद हैं। इसी तरह पड़ोसी देश पाकिस्तान की जेलों में करीब 200 भारतीय बंद हैं।

यूक्रेनी नहीं, ये 20 हजार बाहरी लड़ाके बने पुतिन के लिए सिरदर्द, रोज मार रहे 1200 रूसी सैनिक

मॉस्को, एजेंसी। रूस-यूक्रेन युद्ध को तीन साल हो चुके हैं। यूक्रेन की सेना को न सिर्फ अपने सैनिकों पर बल्कि उन बाहरी लड़ाकों पर भी गर्व है जो उसकी तरफ से रूस के खिलाफ मोर्चा संभाले हुए हैं। यूक्रेनी सेना से ज्यादा ये बाहरी लड़ाके पुतिन के लिए सिरदर्द बने हुए हैं। दावा ये भी किया जा रहा है कि ये लड़ाके हर दिन करीब 1200 रूसी सैनिकों को मौत के घाट उतार रहे हैं।

दरअसल साल 2022 में जब रूस ने यूक्रेन पर हमला किया तो राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने दुनिया भर के लोगों से मदद की अपील की थी। उनकी इस भावनात्मक अपील के बाद हजारों विदेशी लड़ाके यूक्रेन की रक्षा के लिए पहुंच गए। इनमें कुछ अनुभवी थे, तो कुछ बिना किसी सैन्य प्रशिक्षण के केवल जोश और जुनून में शामिल हो गए। इन सैनिकों की संख्या 4 हजार से लेकर 20 हजार तक है। यूक्रेनी सेना के लिए अचानक इतनी बड़ी संख्या में विदेशी लड़ाकों को शामिल करना आसान नहीं था। शुरुआत में सेना के पास इनके लिए सही ट्रेनिंग और संगठनात्मक ढांचा नहीं था। मगर फिर समय के साथ यूक्रेन ने इन लड़ाकों को अपनी रणनीति का अहम हिस्सा बना लिया। खासतौर पर वे विदेशी सैनिक, जो पश्चिमी हथियारों को अच्छी तरह समझते थे और युद्ध चिकित्सा में कुशल थे। इन विदेशी लड़ाकों में कुछ तो ऐसे थे, जिन्होंने युद्ध के मैदान में अपनी काबिलियत साबित की और यूक्रेनी सेना के भरोसेमंद बन गए। वे न केवल मोर्चे पर डटे रहे, बल्कि यूक्रेनी भाषा और संस्कृति को भी अपनाया। ऐसे लड़ाकों को वहां असली हीरो कहा जाने लगा।

कौन बने यूक्रेन के लिए बोझ?

हर विदेशी लड़ाका यूक्रेन के लिए फायदेमंद साबित नहीं हुआ। कुछ लोग बिना किसी अनुभव के सिर्फ रोमांच की तलाश में वहां पहुंचे। कुछ ऐसे भी थे, जो अपने देश की परेशानियों से बचने या खुद को साबित करने के लिए यूक्रेन पहुंचे थे। शुरू में इनकी वजह से कई बार यूक्रेनी सेना की लोकेशन लीक हुई, जिससे रूस को फायदा मिला।

इसके अलावा, कुछ ऐसे लोग भी थे जो यूक्रेनी सेना का हिस्सा बने बिना केवल सैन्य वर्दी पहनकर घूमते रहे। ये लोग सुरक्षित शहरों में कैफे और होटलों में देखे जाते, लेकिन असली युद्ध क्षेत्र से कोसों दूर रहते।

मैं वेकेशन बुक कर दूंगा पूछताछ के लिए बुलाए गए कुणाल कामरा के दर्शक तो कॉमेडियन ने कर दिया ये वादा

नई दिल्ली। स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा इस समय सुर्खियों में बने हुए हैं। हाल ही में एक शो में उनके पॉलिटिकल जोक को लेकर उन पर एफआईआर दर्ज की गई है। इसी के बाद एक खबर सामने आई थी कि शो को अटेंड करने वाले एक बैंकर को कुणाल कामरा के केस में सफाई देने के लिए अपने वेकेशन को छोड़कर पुलिस के कहने पर मुंबई वापस आना पड़ा। अब बैंकर को कामरा की वजह से हुई परेशानी पर खुद कॉमेडियन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है।

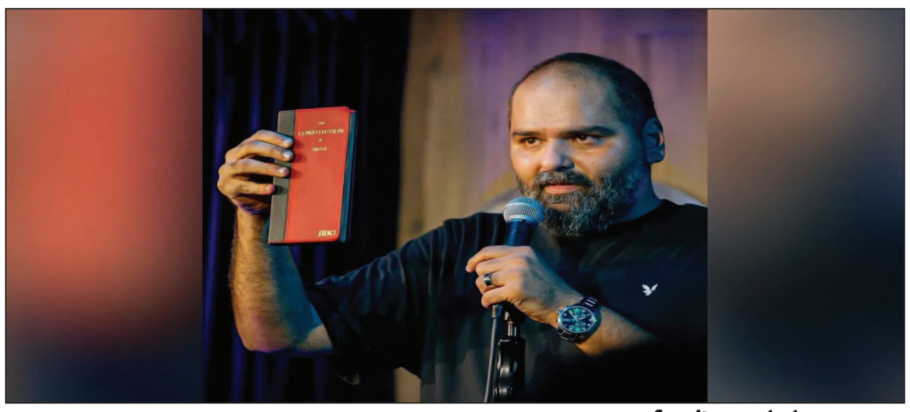

कॉमेडियन ने कहा, मेरे शो में शामिल होने से आपको हुई असुविधा के लिए मुझे दुखा है। उन्होंने बैंकर से इसके लिए माफी मांगी। साथ ही उन्होंने कहा, कृपया मुझे ईमेल करें ताकि मैं आप भारत में जहां चाहे मैं आपकी वहां वेकेशन शेड्यूल कर दूं। दरअसल, मुंबई पुलिस से मिले नोटिस के बाद बैंकर को कथित तौर पर अपनी तमिलनाडु की ट्रिप से मुंबई वापस आना पड़ा था।

दर्शक बैंकर को भेजा गया नोटिस

नवी मुंबई के 46 साल के एक बैंकर को कॉमेडियन कुणाल कामरा के खिलाफ मामले में गवाह के रूप में पेश होने के लिए पुलिस ने नोटिस भेजा था। जिस समय पुलिस ने नोटिस भेजा बैंकर तमिलनाडु और केरल में अपने 17 दिन की छुट्टी मनाने के लिए आया था, लेकिन लगातार पुलिस की तरफ से कॉल और मैसेज मिलने के बाद उसे छुट्टियां पूरी तरह बिताए बिना ही मुंबई वापस लौटना पड़ा।

बैंकर ने मार्च 21 में अपनी यह ट्रिप शुरू की थी और उसको 6 अप्रैल को वापस आना था, लेकिन पुलिस के नोटिस मिलने के बाद और लगातार कॉल मिलने के चलते बैंकर को सोमवार को ही वापस आना पड़ा। बैंकर ने कहा, मैं ट्रिप के लिए 21 मार्च को मुंबई से निकला था और 6 अप्रैल को लौटने वाला था, लेकिन जब मैं तमिलनाडु में था, तब पुलिस के बार-बार कॉल करने के बाद मैं बीच रास्ते से लौट आया। जिस अधिकारी ने मुझे फोन किया था, उसे मेरे शहर से बाहर होने के स्टेटस के बारे में संदेह था और उसने मेरे खारघर निवास पर जाने की धमकी दी थी। इसी के चलते मुझे ट्रिप से जल्दी वापस आना पड़ा।

क्यों भेजा गया था नोटिस?

बैंकर ने कहा, मेरे यह कहने के बावजूद कि मैंने शो के लिए ऑनलाइन टिकट बुक किया था और मेरे पास बुकिंग का सबूत है, पुलिस ने कहा कि कामरा के रिकॉर्ड किए गए वीडियो को मैंने एडिट किया होगा। उन्होंने आगे कहा, कॉमेडियन अपने शो का वीडियो मुझे (एडिट करने के लिए) क्यों सौंपेंगे?

कथित तौर पर बैंकर को 28 मार्च को पुलिस ने कॉल किया था। इसी के बाद उन्हें व्हाट्सएप पर 29 मार्च को नोटिस मिला। नोटिस में कहा गया था कि सीआरपीसी की धारा 179 के तहत उन्हें अगले दिन पूछताछ के लिए पेश होना है। न्यूज एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि, मुंबई पुलिस ने मंगलवार को कुणाल कामरा के शो के दर्शकों को नोटिस भेजने की खबरों का खंडन किया है।

कुणाल कामरा पर 3 FIR दर्ज

कुणाल कामरा ने 24 मार्च को अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक शो पोस्ट किया था। इस शो में दावा किया गया था कि उन्होंने महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के लिए अपमानजनक टिप्पणी की है। इस वीडियो के सामने आने के बाद शिंदे समर्थकों का गुस्सा फूटा और उन्होंने उस स्टूडियो में तोड़ फोड़ की जहां पर यह शो रिकॉर्ड किया गया था।

इसी के साथ इस शो के बाद कामरा पर तीन एफआईआर भी दर्ज हुई है। साथ ही मुंबई पुलिस ने कुणाल कामरा को तीसरा नोटिस जारी किया है और 5 अप्रैल को पूछताछ के लिए तलब किया है।

भारतीय नौसेना का बड़ा एक्शन, युद्धपोत INS तरकश ने 2500 किलो से ज्यादा का ड्रग्स किया जब्त

मुंबई, एजेंसी। भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस तरकश ने पश्चिमी हिंद महासागर में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 2500 किलो से ज्यादा नशे का सामान जब्त किया है। यह ऑपरेशन समुद्री अपराधों पर लगाम लगाने और क्षेत्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के किया गया है। गश्त के दौरान, आईएनएस तरकश को भारतीय नौसेना के पी8आई विमान से कई खुफिया अलर्ट मिले, जिसमें क्षेत्र में संचालित संदिग्ध जहाजों के बारे में बताया गया था। ये जहाज मादक पदार्थों की तस्करी सहित अवैध गतिविधियों में शामिल थे। अलर्ट का जवाब देते हुए, आईएनएस तरकश ने जहाजों को रोकने के लिए अपना

रास्ता बदल दिया।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सभी संदिग्ध जहाजों से व्यवस्थित रूप से पूछताछ करने के बाद, आईएनएस तरकश ने पी8आई और मुंबई में समुद्री संचालन केंद्र के साथ समन्वित प्रयासों के कारण रोका और उसमें सवार हो गया, इसके अतिरिक्त, जहाज ने संदिग्ध जहाज की गतिविधियों की निगरानी करने और क्षेत्र में संचालित होने वाले अन्य ऐसे जहाजों की पहचान करने के लिए अपने अभिन्न हेलीकॉप्टर को लॉन्च किया।

मरीन कमांडो के साथ एक विशेषज्ञ बोर्डिंग टीम तलाशी लेने के लिए संदिग्ध जहाज पर चढ़ी। छापेमारी के दौरान, उन्हें कई सीलबंद पैकेट मिले। तलाशी और पूछताछ में जहाज पर अलग-अलग कार्गो होल्ड और डिब्बों में 2,500 किलोग्राम से अधिक मादक पदार्थ (जिसमें 2,386 किलोग्राम हशीश और 121 किलोग्राम हेरोइन शामिल है) बरामद किया गया।

कैसे पकड़ी गई नशे की खेप?

आईएनएस तरकश जनवरी 2025 से समुद्री सुरक्षा मिशन के तहत पश्चिमी हिंद महासागर में तैनात है। 31 मार्च 2025 को गश्त के दौरान नौसेना के P8I गश्ती विमान ने समुद्र में कुछ संदिग्ध वेसल की जानकारी दी। माना जा रहा था कि ये बोट्स नशे की तस्करी में शामिल थीं। आईएनएस तरकश ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उन वेसल की ओर बढ़ना शुरू किया। कई संदिग्ध बोट्स से पूछताछ के बाद नौसेना ने एक बोट को रोककर उसकी तलाशी ली। इस दौरान हेलीकॉप्टर से भी नजर रखी गई।

क्या मिला वेसल से?

नौसेना की विशेष बोर्डिंग टीम और मरीन कमांडोज़ ने संदिग्ध जहाज की गहन तलाशी ली। इसमें 2386 किलो हशीश और 121 किलो हेरोइन समेत कुल 2500 किलो से ज्यादा नशे का सामान बरामद हुआ।

इसके बाद आईएनएस तरकश ने उस संदिग्ध वेसल को अपने कब्जे में ले लिया और चालक दल से गहराई से पूछताछ की, ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस इलाके में और कौन-कौन सी वेसल तस्करी में शामिल हैं।

जनवरी 2025 से समुद्री सुरक्षा अभियानों के लिए पश्चिमी हिंद महासागर में तैनात, INS तरकश संयुक्त टास्क फोर्स (CTF) 150 का सक्रिय रूप से समर्थन कर रहा है, जो संयुक्त समुद्री बलों (CMF) का हिस्सा है और बहरीन में स्थित है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह अभियान समुद्री अपराध से निपटने और क्षेत्रीय सुरक्षा को बढ़ावा देने के

सरदार 2 से कार्थी की पहली झलक जारी, देश को बड़े खतरे से बचाने निकले अभिनेता

साउथ स्टार कार्ति की मच अवेटेड फिल्म 'सरदार 2' के मेकर्स ने ईद के मौके पर फैंस को बड़ा तोहफा दिया है। मेकर्स ने सफल जासूसी फिल्म के अगले भाग का आज फर्स्ट लुक और टीजर वीडियो जारी कर दिया गया है। इस फिल्म के जरिए कार्ति एक बार फिर बड़े पर्दे पर तहलका मचाने आ रहे हैं।

'सरदार 2' के मेकर्स ने ईद के मौके पर कार्ति के फैंस का दिन बना दिया है। मेकर्स ने फिल्म का एक टीजर वीडियो जारी किया है, जिसे प्रोलॉग वीडियो बताया है। लगभग तीन मिनट लंबे इस वीडियो में कार्ति जबरदस्त एक्शन अवतार में नजर आ रहे हैं। टीजर की शुरूआत में चीनी सेना दिखती है। चीनी सेना एक व्यक्ति से पूछती है कि क्या डेलीगेट अभी भी अंदर है? व्यक्ति कहता है हां, दरवाजा बंद हुए एक घंटा हो चुका है। जिसके बाद सेना दरवाजे को तोड़ने का प्रयास करने लगती है। वहीं दरवाजे के अंदर तलवारों से युद्ध चल रहा है। जिसमें एक तलवार पर सबसे पहले कार्ति की झलक दिखती है।

उसके बाद कार्ति दरवाजे के अंदर तलवार लेकर एक्शन करते नजर आते हैं। काफी एक्शन के बाद एक व्यक्ति कार्ति से पूछता है तुम कौन शैतान हो और मुझसे क्या चाहते हो? इसके बाद वो व्यक्ति कार्ति के ऊपर हमला करता है, लेकिन वो उससे बच जाते हैं। इसके बाद कार्ति का पूरा लुक सामने आता है और वो व्यक्ति कार्ति को देखकर कहता है सरदार।

बाद में वो व्यक्ति सरदार से कहता है कि तुम्हारे देश की ओर एक बड़ी प्रलय आ रही है। जिसे कोई नहीं रोक पाया है। पूरी दुनिया की खुफिया एजेंसियां उसके पीछे पड़ी हैं। ब्लैक डैगर आ रहा है। इसके साथ ही एसजे सूर्या के किरदार की दमदार तरीके से एंट्री होती है। वहीं सरदार उस व्यक्ति से कहता है कि हमारे देश में एक कहावत है कि 'जब युद्ध हम पर हावी होता है, हम जीवन की परवाह नहीं करते।' इसके बाद कार्ति उस व्यक्ति को मार देता है। फिल्म में एसजे सूर्या खूंखार विलेन ब्लैक डैगर के किरदार में हैं। इस वीडियो से ये पता चलता है कि फिल्म की कहानी जासूस सरदार के ब्लैक डैगर को हराने और देश को बचाने के मिशन के इर्द-गिर्द घूमेगी।

इस टीजर वीडियो से पहले मेकर्स ने सरदार 2 का फर्स्ट लुक जारी किया था। इसमें कार्ति हाथों में तलवार लिए काफी इंटेंस लुक में नजर आ रहे थे। इस फर्स्ट लुक को देखकर ही फैंस काफी एक्साइटेड हो गए थे। लेकिन इसके कुछ ही देर बाद मेकर्स ने लगभग तीन मिनट लंबा प्रोलॉग वीडियो जारी कर दिया। जिसके बाद फैंस अब फिल्म को लेकर काफी ज्यादा उत्साहित हो गए हैं।

निजी कार्यक्रमों के लिए मोटी फीस लेते हैं ये सितारे, लिस्ट में कैटरीना से लेकर शाहरुख तक के नाम

फिल्मी सितारे अपने अदाकारी से लोगों का मनोरंजन करने की पूरी कोशिश करते हैं। वहीं, बीते कुछ वर्षों से बॉलीवुड की मशहूर हस्तियों को निजी समारोहों में बुलाने का ट्रेंड भी देखने को मिला है। शाहरुख खान से लेकर कैटरीना कैफ तक, मशहूर हस्तियां अक्सर कार्यक्रमों की शोभा बढ़ाती नजर आती हैं। इन सेलेब्स के पास वक्त की काफी कमी होती है, ऐसे में किसी भी निजी पार्टी में शामिल होने के लिए ये सितारे मोटी फीस चार्ज करते हैं। आइए जानते हैं कि प्राइवेंट इवेंट के लिए कौन से स्टार कितनी फीस लेते हैं।

कैटरीना कैफ

बॉलीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत अभिनेत्रियों में से एक हैं। उनकी फैन फॉलोइंग काफी ज्यादा है। अभिनय के साथ वे अपने डांसिंग के लिए भी काफी मशहूर हैं। शीला की जवानी, चिकनी चमेली, कमली जैसे गानों में उन्होंने जबर्दस्त डांस कर लोगों के दिल जीत लिए थे। निजी कार्यक्रमों में स्टेज पर परफॉर्म करने के लिए कैटरीना मोटी रकम वसूती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी फीस तीन करोड़ 50 लाख रुपये है।

शाहरुख खान

शाहरुख खान को बॉलीवुड का बादशाह भी कहा जाता है। अभिनेता अपनी फिल्मों से लोगों के दिलों पर राज करते हैं। फिल्मों के अलावा किंग खान प्राइवेट इवेंट में भी परफॉर्म करते हैं। मीडिया रिपोट्र्स के मुताबिक ऐसे समारोहों के लिए उनकी फीस तीन करोड़ रुपये है।

अक्षय कुमार

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में खिलाड़ी के नाम से मशहूर अक्षय कुमार सबसे व्यस्त अभिनेताओं में से एक हैं। वे साल में कई फिल्मों में काम करते हैं। इसके बावजूद वे प्राइवेट इवेंट में परफॉर्म करने के लिए वक्त भी निकाल लेते हैं। रिपोट्र्स के दावों की मानें तो इस प्रकार के इवेंट के लिए वे दो करोड़ 50 लाख रुपये की फीस लेते हैं।

ऋतिक रोशन

हैंडसम हंक ऋतिक रोशन हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के सबसे प्रतिभाशाली व्यक्तियों में से एक हैं। एक्टिंग के साथ अपने डांस से भी वे लोगों के दिलों पर राज करते हैं। प्राइवेट इवेंट के लिए मोटी फीस चार्ज करने में वे दूसरे सितारों से पीछे नहीं हैं। मीडिया रिपोट्र्स के मुताबिक वे बर्थडे पार्टी, शादी या किसी निजी समारोह में डांस करने के लिए दो करोड़ 50 लाख रुपये की फीस लेते हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034
*सम्पादकः प्रभात पांडेय सम्पर्कः 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail|com